Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०१६ • वर्ष ६७ • अंक ७

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१० जुलाई २०१६; कलामंदिर सभागार, कोलकाता : पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ, महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय कुमार डोकानियाँ, महामंत्री श्री सत्य नारायण अग्रवाल आदि सम्मानित छात्र-छात्राओं के साथ।

FLAT

17%

DISCOUNT ON ALL MEDICINES

DOWNLOAD

SastaSundar app

your healthbuddy

NOW AVAILABLE ON

FREE HOME DELIVERY*

*T&C Apply

SastaSundar.com | Call: 3080 3080

समाज विकास

◆ जुलाई २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक ७

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — *पृष्ठ संख्या*

- **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** ३
  पाठकों के साथ संवाद
- **चिट्ठी आई है** ५
- **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** ५
  कामना सबके साथ एवं सहयोग की
- **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार** ९-१२, २१-२५
- **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत** १३-१४
- **सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति** १५-१६
- **लेख : शिव कुमार लोहिया** २९
  हमें पुनः विश्वगुरु बनना है
- **लेख : घनश्याम प्रसाद सोभासरिया** ३१
  सामाजिक कुरीतियाँ एवं उनमें सुधार की जरूरत
- **लेख : राजेन्द्र केडिया** ३२
  नारी जागरण के लिए समर्पितः जानकी देवी बजाज
- **विविध** ३२-३३

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

पाठकों के साथ संवाद

– सन्तोष सराफ

वर्तमान सत्र के समाज विकास का दूसरा अंक आपके हाथों में है। पिछले माह सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय की गतिविधियाँ अबाध रूप में सम्पन्न हो रही हैं। इन गतिविधियों का समाचार समाज विकास के माध्यम से सभी सदस्यों तक पहुँचे, इसके लिए हम सतत् प्रयत्नशील हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन देश के कोने-कोने में रह रहे मारवाड़ियों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। इस कारण समाज विकास का दायित्व और भी बढ़ जाता है।

समाज विकास को और भी अधिक रोचक, प्रभावशाली बनाने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा है। पाठकगण से मैं सादर अनुरोध करता हूँ कि वे हमें अपनी प्रतिक्रिया भेजें। साथ ही साथ, अपने सुझाव भेजें। सभी शाखा, प्रांत एवं प्रांतीय अधिकारियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी कार्यक्रमों की फोटो सहित संक्षिप्त रपट भेजते रहें ताकि समाज विकास में उन्हें स्थान मिल सके। केन्द्रीय कार्यालय की ओर से कुछ नई पहल की गई है इनमें प्रमुख है मारवाड़ी युवा-युवतियों के लिए रोजगार सहायता, वैवाहिक जीवन एवं पंचायत के लिए उपसमिति का गठन ।

समाज विकास के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में मारवाड़ी युवक-युवतियाँ की सफलता या उपलब्धियों के समाचार भी हम देना चाहते हैं। सभी समाजबंधुओं से अनुरोध है कि किसी भी क्षेत्र में इस प्रकार की सफलता के समाचार से हमें अवगत करवायें ताकि हम इस संबंध में उचित कार्यवाही कर सकें।

मारवाड़ी समाज एक सशक्त समाज है। राष्ट्र-निर्माण में हमारी भूमिका अद्वितीय है। देश के विभिन्न प्रांतों में मारवाड़ी बंधु स्थानीय जनों के साथ समरस होकर प्रांत के विकास से जुड़े हुए हैं। आर्थिक, बौद्धिक एवं श्रम की दृष्टि से हम सक्षम है। परन्तु हमारे आवाज को सशक्त बनाने के लिए हमें एकजुट होना होगा। इस सिलसिले में भी सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय ने पहल की है। इस भावना को पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता है। हम अपना कर्तव्य तो निभाते हैं पर हम देखते हैं कि हमारे अधिकारों की उपेक्षा की जाती है। इसके लिए कुछ हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। राजनैतिक क्षेत्र में हमारी भागीदारी नगण्य है। एकता एवं राजनैतिक भागीदारी हमारा मूलमंत्र है। यह उद्देश्य हम सम्मेलन के संगठन को मजबूत करके हासिल कर सकते हैं। इस उद्देश्य के मद्देनजर ही गत अधिवेशन में 'संगठित समाज सशक्त आवाज' का नारा दिया गया है। सम्मेलन के विभिन्न पायदानों पर स्थित पदाधिकारियों से निवेदन है कि इस नारे में नीहित भावना को प्रत्येक समाजबंधु तक पहुँचायें। हमें अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति सजग होना होगा। संभावनाएँ असीम है। उन संभावनाओं के रूपायण करने के लिए आवश्यक कदम हम सबको मिलकर उठाना है। इस संबंध में समाज विकास अपनी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है।

मैं यह समझता हूँ कि हमारे विभिन्न छोटे-बड़े शहरों में कुछ समाजबंधु होंगे जो पत्रकारिता एवं साहित्य से जुड़े हैं। उन सभी से अनुरोध है कि समाज विकास को और अधिक पठनीय बनाने में अपना योगदान दें। अपने क्षेत्र के समाज एवं सम्मेलन के समाचार हमारे पास भेजें। साथ ही साथ, समाज एवं सम्मेलन के कार्यक्रमों के विषय में अपने विचारों से हमें अवगत करायें। समाज विकास में हम मायड़ भाषा में भी उत्कृष्ट रचनाएँ देना चाहते हैं। इस विषय में भी आपके सुझावों का स्वागत है।★★★

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुईं हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

प्रह्लाद राय अगरवाला
राष्ट्रीय अध्यक्ष

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

EASY JOB (Manpower Consultant)

We are a professionally managed consultancy firm based at kolkata to provide search and manpower & staffing solutions for different organisations from diverse industries.

Our mission is to provide right people, at right time, at right cost for the right purpose.

Basically we provide manpower in those below categories :

- **Accountant**
- **Back Office Executive**
- **Operation Executive**
- **Front Office Executive**
- **Civil Engineer**
- **Electrical Engineer**
- **H. R. Manager & Executive**
- **Administrative Staff**

We approach your good selves for allowing us an opportunity to serve your organization in respect of the Human Resource needs of your business house. In case you have any clarification on the subject matter, please call on us and we will be glad to provide the same at the earliest.

Awaiting for a favourable opportunity,

Thanking you,

Yours faithfully,
For EASY JOB
18A, Rabindra Sarani, (Poddar Court)
Gate No. 2, 6th Floor, Kolkata - 700 001
Cell : 98310 39183, 98310 68985, Office : 033 40066802
Website : www.easyjob.online.com

चिट्ठी आई है

मायड़ भासा री सेवा

पत्रिका समाज विकास गांव री लायब्रेरी में पढ़ी। जी सोरो हुयगो। साहित्य री अलख रै साथै-ई मायड़ भासा राजस्थानी री भी सेवा कर रैया हो, घणा-घणा रंग आपने। पत्रिका री पूग च्यारूं कूंटा फैलै अर घर कूंचा, घर मजलां आ पत्रिका समाज रो विकास ईया-ई करबो करै।

अेकर ओंरु आपनै मां सुरसत सेवा सारू मोकळो साधुवाद ... आभार ... जै भारत!

कपिल देव राज आर्य, मण्डावा (राजस्थान)

Samaj Vikas's Role in Social Reforms

I have been a regular reader of all the issues of "SAMAJ VIKAS" made available by our town's renowned litereteur Shri Kesri Kant Sharma 'Kesri' on your mailing list for sending it regularly. Kesariji is very pertinent to make all new arrivals available to his friend circle for reading to ensure that more and more people are aware of your accomplishment.

April 2016 issue on 24th National Convention and 80th Anniversary Celebration of Akhil Bhartiya Marwari Sammelan gives insight into various activities in different states which is a matter of great pride that Rajasthanis are doing great service in organising educating and inspiring the community to contribute towards welfare of society. The contents of the magazine may play a great role towards social reforms like removal of social evils such as dowry, vulgar show of wealth in costly mariages etc.

Inclusion of articles, poems etc. of our shekhawati writers (e.g. Dohas and Haikus of Kesri Kant Sharma 'Kesri') is also satisfying.

Please continue this journey with more vigour.

– Hari Ram Sharma 'Hari',
Mandawa (Raj)

अध्यक्षीय

कामना सबके साथ एवं सहयोग की

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

राष्ट्र के स्वतंत्रता-संग्राम से लेकर समाज सुधार के मुद्दों तक हमारे मनीषी पूर्वजों ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद जो भूमिका निभाई है, उसकी एक गौरवपूर्ण गाथा है। इस महान परम्परा को आगे बढ़ाते हुए समाजहित में आज हमारे जो कर्त्तव्य हैं, उनके अनुपालन में आप सबके सहयोग की कामना है।

सम्मेलन के संगठन को अधिकाधिक मजबूती और अपने कार्यक्रमों को और गति देना, समाज के जन-जन तक पहुँचाना, मेरी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। पदभारग्रहण के बाद तत्काल ही हमने सदस्यता-अभियान प्रारम्भ किया है एवं प्रादेशिक शाखाओं से भी इसके लिए अनुरोध किया है। आपको यह बताते हुए मुझे हर्ष है कि केन्द्रीय टीम के सक्रिय प्रयासों से इस सत्र में केन्द्रीय कार्यालय से अब तक ८२ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, ९ संरक्षक सदस्य एवं ७५ आजीवन सदस्य बन चुके हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रान्तीय-प्रमंडलीय-जिला-नगर-ग्राम, हर स्तर से संगठन-विस्तार में आपका भी सहयोग रहेगा जो हमारे सांगठनिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

वर्तमान में, समाज के समक्ष जो ज्वलंत समस्याएँ हैं, उनमें वैवाहिक समारोहों में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन एक गम्भीर चुनौती है। इसे हम सब मिलकर कैसे रोकें, इस पर विचार कर अपना सुझाव भेजने का कष्ट करें। हमारा प्रयास रहेगा कि ज्यादा से ज्यादा समाजबंधुओं को इस विषय की गम्भीरता के प्रति जागरुक कर सकें, इस वीभत्स प्रवृति के विरूद्ध जनमत तैयार कर सकें, क्योंकि सामाजिक सुधारों हेतु वैचारिक परिवर्तन अनिवार्य हैं।

मारवाड़ी युवक-युवतियों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता हेतु एक 'रोजगार सहायता उपसमिति', विवाहयोग्य युवक-युवतियों का डाटाबैंक तैयार करने के लिए एक 'वैवाहिक परिचय उपसमिति' एवं आपसी विवादों के निपटारे हेतु एक 'पंचायत उपसमिति' का गठन भी किया गया है। इनके विवरण, सम्पर्क-सूत्र आदि आपकी पत्रिका के माध्यम से सूचित किए जा रहे हैं। आप सबसे अनुरोध है कि इन कार्यक्रमों से जुड़ें।

अपने कार्यक्रमों को गति देने और उनकी सफलता हेतु यह आवश्यक होगा कि समाज का हर तबका उनमें भागीदारी करे। इसके लिए हमें अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच एवं स्थानीय स्तर पर भी समान विचारधारा वाली संस्थाओं को अपने साथ लेकर चलना होगा। महिला सम्मेलन एवं युवा मंच के साथ समन्वय के अतिरिक्त कोलकाता की संस्थाओं के साथ भागीदारी की पहल भी की गई है एवं परिणाम उत्साहवर्धक हैं।

मेरा यह मानना है कि प्रत्येक समस्या का सामना आत्मविश्वास एवं सक्रिय, संगठित प्रयास से किया जा सकता है। आवश्यकता है सबके साथ, सबके सहयोग की और फिर कोई ऐसा लक्ष्य नहीं जिसे हम प्राप्त न कर सकें।

जय समाज, जय राष्ट्र! ★ ★ ★

Wuth Best Compliments From :

BISHWANATH LOHIA SEVA VIKAS TRUST

171/1, J N Mukherjee Road
Howrah - 711 106, W.B.
Phones : 2655 7964 / 5475
Fax : (91 33) 2655 1964

सम्मेलन की पंचायत उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज बंधुओं के आपसी विवादों में मध्यस्थता हेतु एक पंचायत उपसमिति का गठन किया है। यह उपसमिति समाज के सदस्यों के अनुरोध पर, आपसी विवादों में, जहाँ उचित समझेगी, मध्यस्थता करेगी।

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार (+९१-९८३००१९२८१) को इस उपसमिति का चेयरमैन मनोनीत किया गया है।

पंचायत हेतु अनुरोध ई-मेल rap@wondergroup.in पर भेजे जा सकते हैं।

सम्मेलन की वैवाहिक परिचय उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने विवाह योग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों की सहायता हेतु एक वैवाहिक परिचय उपसमिति का गठन किया है।

यह उपसमिति विवाहयोग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों के बायोडाटा संग्रहित करेगी और उन्हें उपयुक्त पात्र-पात्राओं को भेजेगी। इस प्रक्रिया में गोपनीयता बरती जायेगी।

सम्मेलन द्वारा प्राप्त बायोडाटा में दिये गये जानकारियों के लिए सम्मेलन जिम्मेवार नहीं होगा और उसकी भूमिका बायोडाटा संग्रहित करने, उनका आदान-प्रदान और संभवतः व्यक्तिगत मध्यस्थता तक सीमित रहेगी।

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य, युवा समाजसेवी श्री ऋषि बागड़ी को इस उपसमिति का चेयरमैन मनोनीत किया गया है।

विवाह हेतु इच्छुक मारवाड़ी युवक-युवतियाँ अपना बायोडाटा ईमेल aimf.matrimonial@gmail.com पर भेज सकते हैं। सलाह देने या किसी स्पष्टीकरण हेतु इसी ईमेल से या श्री ऋषि बागड़ी (+९१-९८३०० ६५६७०) से संपर्क किया जा सकता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों के सादर ध्यानार्थ

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की आगामी बैठक ३ सितम्बर २०१६ (शनिवार) को अपराह्न २.३० बजे सम्मेलन कार्यालय सभागार (४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता -७०० ०१७) में आयोजित की गई है। समिति के सभी सदस्यों को पत्र भेजकर एवं ई-मेल द्वारा भी सूचना भेजी गयी है।

सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने मारवाड़ी युवक-युवतियों के रोजगार प्राप्ति में सहयोग हेतु एक नई उपसमिति का गठन किया है।

यह उपसमिति रोजगार हेतु इच्छुक युवक-युवतियों के बायोडाटा का एक कोश बनायेगी और उन्हें उपयुक्त रोजगारदाताओं के पास भेजेगी। यह कार्य ई-मेल के माध्यम से किया जायेगा और यह सेवा निःशुल्क होगी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दिनेश कुमार जैन इस उपसमिति के चेयरमैन मनोनीत किये गये हैं। रोजगार के इच्छुक मारवाड़ी युवक-युवतियाँ अपना बायोडाटा, ईमेल aimf.hr@gmail.com पर भेज सकते हैं। इस विषय में किसी जानकारी हेतु इसी ईमेल से या सुश्री सिद्धि जैन (०३३-३०५८ ८४५३) से संपर्क किया जा सकता है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

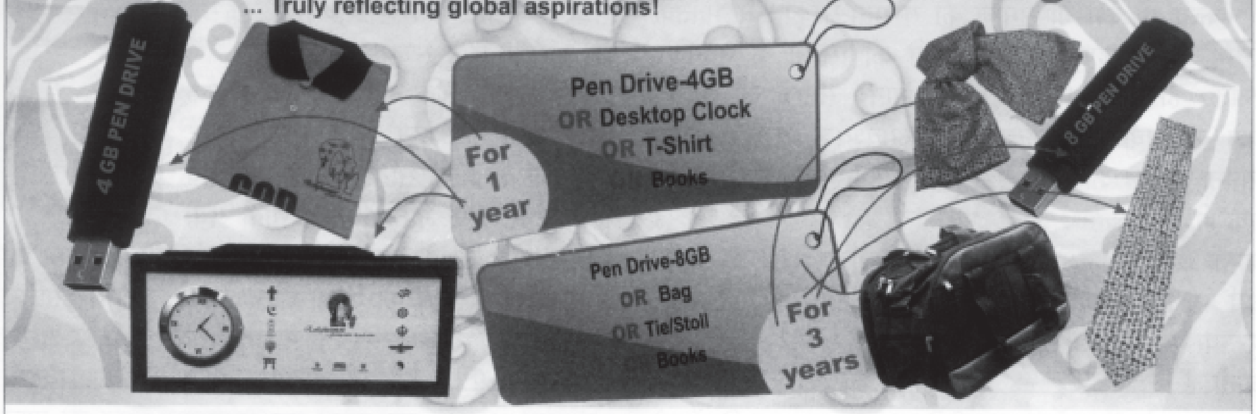

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. ____________________

Address : ____________________

____________________ City/District : ____________________

State : ____________________ Country : ____________________ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : ____________________ Mobile : ____________________ Landline : ____________________ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. ____________ dated: ____________ for Rs. ____________ drawn on: ____________

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: ____________________ date: ____________

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951 **New Delhi :** Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

मंत्रणा बैठक : २४ जून २०१६ एवं ८ जुलाई २०१६

समाज की संस्थाएँ हुईं एकजुट

मंत्रणा बैठक : ८ जुलाई २०१६

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लादराय अगरवाला** की पहल पर समान विचार वाली संस्थाओं को साथ लाने हेतु आयोजित मंत्रणा बैठकों के क्रम में गत २४ जून २०१६ एवं ८ जुलाई २०१६ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार में मंत्रणा बैठकें आयोजित की गई।

२४ जून २०१६ को आयोजित बैठक में **लाडनूं नागरिक परिषद** के अध्यक्ष **श्री बंशीधर शर्मा**, **श्री डीडवाना नागरिक सभा** के अध्यक्ष **श्री अरुण प्रकाश मल्लावत**, महामंत्री **श्री हरीश कुमार तिवाड़ी**, **सरदारशहर परिषद** के पूर्व उपाध्यक्ष **श्री छत्तरसिंह भंसाली**, सचिव **श्री दिनेश चोरड़िया**, **सुजानगढ़ नागरिक परिषद** के अध्यक्ष **श्री नवरतनमल सुराना**, मंत्री **श्री भागीरथ चांडक**, **रामगढ़ नागरिक परिषद** के अध्यक्ष **श्री विजय कुमार छाजेड़**, मंत्री **श्री हरिराम चमड़िया**, **श्री माधोपुर विकास परिषद** के अध्यक्ष **श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल** एवं मंत्री **श्री अशोक कुमार अग्रवाल** ने भाग लिया।

८ जुलाई २०१६ को आयोजित बैठक में **बिसाऊ नागरिक समिति** के महामंत्री **श्री राधाकिशन सफ्फड़**, **सीकर नागरिक परिषद** के अध्यक्ष **श्री घनश्याम प्रसाद अगरवाला**, उपाध्यक्ष **श्री सुरेश कुमार जालान**, संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री सुरेश कुमार शर्मा** एवं **श्री अनिल कुमार पोद्दार** तथा **श्री राजेश कुमार बजाज**, **कोलिया नागरिक परिषद** के अध्यक्ष **श्री आशाराम काकड़ा**, मंत्री **श्री अशोक कुमार सिंघी**, **किशनगढ़ रेनबाल नागरिक परिषद** के मंत्री **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल**, **मण्डावा नागरिक परिषद** के मंत्री **श्री गिरधारी लाल खेमानी**, **अलवर जिला विकास परिषद** के अध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र सिंह** (अधिवक्ता) एवं **पड़िहारा नागरिक परिषद** के मंत्री **श्री लक्ष्मीपत सुराना** शामिल हुए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने बैठकों में उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न संस्थाओं का साथ मिलना एवं सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करना बहुत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि समाज के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए संगठित होना अनिवार्य है। सम्मेलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए श्री अगरवाला ने सम्मेलन के कार्यक्रमों यथा उच्च शिक्षा हेतु जरूरतमंद एवं मेघावी छात्र-छात्राओं की मदद, आडम्बर पर नियंत्रण, वैवाहिक समारोहों में मद्यपान पर रोक, मारवाड़ी युवक-युवतियों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता, विवाहयोग्य मारवाड़ी युवक-युवतियों का डाटाबैंक, उद्यमिता विकास में सहयोग, आपसी झगड़ों विशेषकर दाम्पत्य समस्याओं में मध्यस्थता के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का अपना गौरवमयी इतिहास है और एक साथ काम करने के लिए यह एक आदर्श मंच है। बैठकों में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने इन विषयों पर साथ काम करने के विषय में सहर्ष सहमति जताई।

बैठकों में उपस्थित संस्थाओं के पदाधिकारियों को सम्मेलन के संविधान में निहित संस्थागत सदस्यता के प्रावधान के विषय में जानकारी दी गयी और इससे संबंधित विवरण सभी को बताया गया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री सीताराम शर्मा**, **श्री नंदलला रूंगटा**, **श्री रामअवतार पोद्दार**, उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दिनेश जैन** एवं **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय कुमार डोकानियाँ** तथा **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने इन बैठकों में भाग लिया। ★★★

मंत्रणा बैठक : २४ जून २०१६

सम्मेलन एवं युवा मंच के समन्वय हेतु शीर्ष समिति का गठन

२२ जून २०१६ को हिन्दुस्तान क्लब कोलकाता में आयोजित बैठक में सर्वश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, सीताराम शर्मा, नंदलाल रुँगटा, संतोष सराफ, शिव कुमार लोहिया, आत्माराम सोंथलिया, दिनेश कुमार जैन, कैलाशपति तोदी, रवि अग्रवाल, बलराम सुलतानिया, अनिल जाजोदिया एवं संजय हरलालका।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के शीर्ष पदाधिकारियों की बैठकें गत २२ जून, २०१६ को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता एवं २३ जून २०१६ को सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार (शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) में सम्पन्न हुई। इन बैठकों में दोनों संगठनों के आपसी समन्वयन, साझा कार्यक्रम, सांगठनिक सहयोग आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई एवं कार्ययोजना पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में पुनः इस बात को दोहराया गया कि युवा मंच अपने ४५ वर्ष से अधिक उम्र के अधिकाधिक वरिष्ठ सदस्यों को सम्मेलन की सदस्यता के लिए प्रेरित करेगा एवं इसी प्रकार सम्मेलन भी ४० वर्ष से कम उम्र के युवाओं को युवा मंच का सदस्य बनने हेतु प्रेरित करेगा।

युवा मंच व सम्मेलन के बीच बेहतर समन्वयन हेतु एक ११ सदस्यीय शीर्ष समन्वयन समिति का गठन किया गया। इस समिति के सदस्य इस प्रकार होंगे।

समिति संयोजक : श्री अनिल कुमार जाजोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (अ.भा.मा.स.) एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा मंच)।

सम्मेलन से सदस्य : श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री शिव कुमार लोहिया (राष्ट्रीय महामंत्री), श्री नन्दलाल रुँगटा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री संतोष सराफ (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) एवं श्री बनवारीलाल मित्तल (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य)।

युवा मंच से सदस्य : श्री रवि अग्रवाल (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री प्रमोद शाह (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री बलराम सुल्तानिया (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री श्याम सुन्दर सोनी (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) एवं श्री निकेश गुप्ता (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)।

बैठक में यह निर्धारित किया गया कि - १) सम्मेलन द्वारा चलाये जा रहे सामाजिक अभियान, जिसमें सार्वजनिक व वैवाहिक समारोहों व उत्सवों में मद्यपान को हतोत्साहित किया जाये, को दोनों संगठन मिलकर आगे बढ़ायें। २) युवा मंच के राष्ट्रीय व प्रमुख कार्यक्रमों को सम्मेलन की शाखाओं द्वारा आयोजित करने से बचा जाये, बल्कि वे इसमें चाहें तो सहयोगी बनें। ३) इस प्रकार युवा मंच द्वारा भी सम्मेलन के प्रमुख कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान किया जाये। ४) सम्मेलन व युवा मंच मिलकर, समाज के युवाओं के लिए उद्यमशीलता प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित करें।

बैठक में प्रमुख रूप से श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री नन्दलाल रुँगटा, श्री संतोष सराफ, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री कैलाश पति तोदी, श्री संजय हरलालका, श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री रवि अग्रवाल, श्री बलराम सुल्तानिया, श्री अनिल के. जाजोदिया, श्री संजीव जैन, श्री संदीप मस्करा, श्री मुकेश खेतान आदि उपस्थित रहे। ★★★

समाज सुधार के लिए सबका साथ जरूरी : प्रह्लाद राय अगरवाला

"सामाजिक सुधार एक अनवरत प्रक्रिया है जिसके लिए समाज के सभी वर्गों का साथ आना आवश्यक है। बड़े-बूढ़े, महिलाएँ एवं युवक-युवतियाँ सब मिलकर ही कोई सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं।" ये विचार हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के, जो उन्होंने गत २९ जुलाई २०१६ को कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में व्यक्त किए।

बैठक में श्री अगरवाला ने सबका स्वागत करते हुए बताया कि

स्थायी समिति की बैठक में पदाधिकारी/सदस्यगण।

गत ११ जून, १४ जून एवं ८ जुलाई २०१६ को समान विचारवाली स्थानीय संस्थाओं के साथ तीन बैठकें आयोजित की गयीं, जिनका उद्देश्य सभी संस्थाओं को सम्मेलन के साथ लाना और एक-दूसरे के कार्यक्रमों में परस्पर भागीदारी है। उन्होंने कहा कि संस्थाएँ सम्मेलन के साथ जुड़ रही हैं, हमारी पहल को प्रोत्साहन मिला है; तथापि हमें सतत् प्रयासरत रहना होगा।

गत गुछ महीनों में सम्मेलन की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने रोजगार सहायता उपसमिति, वैवाहिक परिचय उपसमिति एवं संगठन-विस्तार आदि के विषय में संक्षेप में बताया। वैवाहिक परिचय उपसमिति के चेयरमैन श्री ऋषि बागड़ी ने वैवाहिक परिचय की कार्यप्रणाली के विषय में विस्तृत विवरण दिया।

बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (२३ मई २०१५; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

श्री ओम लड़िया ने कहा कि स्थायी समिति की बैठक एक लम्बे अंतराल के बाद हुई है। स्थायी समिति के बैठकों की आवृत्ति बढ़ाई जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अगरवाला ने सहमति जताई।

कार्यसूची के अनुसार, सामाजिक क्रियाकलापों में युवा पीढ़ी के सक्रिय योगदान को प्रोत्साहित करने के विषय पर विचार हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अगरवाला ने कहा कि युवक-युवतियों को साथ लेकर ही हमारे कार्यक्रमों को सफलता मिल सकती है।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि शाखाओं के माध्यम से सम्मेलन समाज के हर वर्ग और आम आदमी तक पहुँच रहा है। उन्होंने सलाह दी कि संगठन-विस्तार के क्रम में अधिक से अधिक युवक-युवतियों को सम्मेलन का सदस्य बनाया जाय।

श्री सुरेन्द्र अग्रवाल (कयाल) ने कहा कि समसामयिक ज्वलंत मुद्दों, संस्कार-सम्बंधी विषयों और सामाजिक कुरीतियों पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ आयोजित करना एक अच्छा कदम हो सकता है। उन्होंने कहा कि इससे जहाँ एक ओर किशोरों-युवकों की सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी, दूसरी ओर संस्कार-संबंधी विषयों पर भी उनकी जानकारी में वृद्धि होगी।

श्री नंदलाल सिंघानिया ने सलाह दी कि सम्मेलन के 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम को और गति देना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अगरवाला ने कहा कि यह कार्यक्रम संस्कार-संस्कृति सम्बंधी जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के एक माध्यम के रूप में सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एक 'संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति' गठित की जाएगी जो इस कार्यक्रम की भी देख-रेख करेगी।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कोलकाता-हवड़ा सहित पश्चिम बंग में और नई शाखाओं के गठन की सम्भावनाओं के विषय में जानकारी दी।

सर्वश्री हरिप्रसाद बुधिया, संतोष रूँगटा, नंदकिशोर अग्रवाल, रमेश कुमार बूबना एवं **आत्माराम सोंथलिया** ने भी अपने विचार संक्षेप में रखे।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी, संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्री श्रीमोहन चौधरी, मनोज अग्रवाल, सुरेश अगरवाल, राम निवास शर्मा (चोटिया), गोविन्द अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, रवि लोहिया, राधाकिशन सफ्फड़, शिव कुमार बागला, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, मनोज चाँदगोठिया, प्रमोद गोयनका, राजेश कुमार पोद्दार, संजय कुमार अग्रवाल** आदि उपस्थित थे। ★★★

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से मारवाड़ी सम्मेलन के पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

१. मारवाड़ी सम्मेलन, राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था 'रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

२. सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रूँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

३. केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१६, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७; दूरभाष : (०३३) ४००४४०८९; ई-मेल : aimf1935@gmail.com] को ३० सितम्बर २०१६ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

दिल की बात

दोहे

'पारस' इस संसार में, सब किस्मत का खेल
कातिल को कुर्सी मिले, फरियादी को जेल।

सब कुछ उल्टा हो गया, आज जगत व्यवहार
थाने मे जन्माष्टमी, मन्दिर में हथियार।

नाकाबिल काबिल हुए, छांट रहे कानून
भेड़ बोईये खेत में, और काटिये ऊन।

भूतपूर्व जब से हुए, रामनिरंजन लाल
मिट गई सब हेकड़ी, बदल गई अब चाल।

जब तक कुर्सी पर रहे, नहीं सुनी फरीयाद
अब पटरी पर आ गये, रघुनन्दन परसाद।

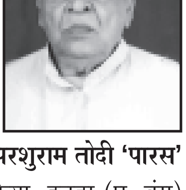

– परशुराम तोदी 'पारस'
सलकिया, हवड़ा (प. बंग)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

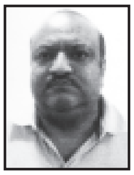

श्री राजेश कुमार अग्रवाल
मे. गणगणपति व्यापार प्रा. लि.
गणपति कैटर्र्स, ४ए, शॉर्ट स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ०१६
मो. ९८३०० ९४०३४

श्री रामअवतार रामसिसरीया
मे. श्याम टेक्सटाइल्स लि.
१५६ए, महात्मा गाँधी रोड
द्वितीय तल, कोलकाता - ०७
मो. ९८३०० ६३४९६

श्री महेश कुमार जैन
मे. शान्ति रोड सर्विसेज प्रा. लि.
२, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट
कोलकाता-७०० ००७
मो. ९८३०० ८३०१४

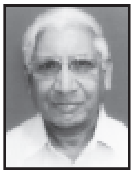

श्री राजेन्द्र प्रसाद अगरवाला
१४, नेताजी सुभाष रोड
कोलकाता - ७०० ००१
मो. ९९०३०३८६४४

श्री संतोष कुमार कटारुका
मे. लॉटेन बियुटीफीयर्स प्रा. लि.
द्वारा - सेवा मार्केटिंग प्रा. लि.
वरदान कॉम्पलेक्स,
२५ए, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता - १६
मो. ९८३१२०९१६१

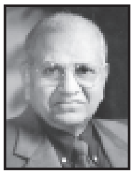

श्री महावीर प्रसाद मणक्सिया
मे. मणक्सिया लिमिटेड
बीकानेर बिल्डिंग
८/१, लाल बाजार स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००१
मो. ९८३०० ६३६६३

श्री गोविन्द बेरिवाला
मे. श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लि.
श्याम टावर्स, ई एन-३२
सेक्टर-५, साल्ट लेक
कोलकाता-७०० ०९१
मो. ९८३१० १२३७५

श्री पुरुषोत्तम बेरिवाला
मे. श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लि.
श्याम टावर्स, ई एन-३२
सेक्टर-५, साल्ट लेक
कोलकाता-७०० ०९१
मो. ९८३०० ९१३६६

श्री रतनलाल अग्रवाल
मे. आर.आर. अग्रवाल ज्वेलर्स प्रा. लि.
७, कैमक स्ट्रीट
अजिमगंज हाउस, द्वितीय तल
कोलकाता - ७०० ०१७
मो. ९८३०४३१०१०

संरक्षक सदस्य

श्री रमेशचन्द्र गोपीकिशन बंग
ता. हिंगणा
जिला-नागपुर-४४१११०
महाराष्ट्र
मो. ९४२३१ ०१७००

आजीवन सदस्य

श्री कन्हैया लाल भरतिया भरतिया ट्रेडर्स, सुरेश बाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, राँची - ८३४००१	श्री संजय कुमार डालमिया कुम्हार टोली, मधुपुर झारखण्ड - ८१५३५३	श्री कैलाश कुमार बथवाल एस. आर. डालमिया रोड मधुपुर, झारखण्ड - ८१५३५३

आजीवन सदस्य

श्री शिव कुमार मोदी मिन्डो मेडिकल होम मधुपुर, झारखण्ड - ८१५३५३	श्री महेश कुमार लच्छिरामका मेड़वा रोड, मधुपुर - ८१५३५३ जिला - देवघर, झारखण्ड	श्री रोहित कुमार लच्छिरामका सीताराम डालमिया रोड मधुपुर - ८१५३५३, झारखन्ड	श्री सुशील कुमार जैन (बोहरा) सेक्टर-२ मार्केट, ध्रुवा, ट्रेड सेन्टर अपर बाजार, राँची - ८३४००४	श्री सुशील कुमार जैन (बोहरा) सेक्टर-२ मार्केट, ध्रुवा, ट्रेड सेन्टर अपर बाजार, राँची - ८३४००४
श्री मदन मोहन बगड़िया श्री शक्ति स्टोर, आदर्श मार्केट अपर बाजार, राँची - ८३४००१	श्री निर्मल कुमार मोदी नार्थ मार्केट रोड, अपर बाजार राँची - ८३४००१, झारखण्ड	श्री राजेन्द्र कुमार गाड़ोदिया २०२, साई अपार्टमेन्ट, कचहरी रोड राँची - ८३४००१, झारखण्ड	श्री दीपक गाड़ोदिया २०२, साई अपार्टमेंट, कचहरी रोड राँची - ८३४००१, झारखण्ड	श्री उमेश कुमार कामरात कामरात स्टोर, राँची बरियातु - ८३४००९ झारखण्ड
श्री संजय वैद्य अलका ग्लास कम्पनी, बोकारो चास - ८२७०१३, झारखण्ड	श्री शिव कुमार मेहरिया एस. के. एजेन्सी, बोकारो चास - ८२७०१३, झारखण्ड	श्री शिव रतन पारीक विकाश ट्रेडिंग कम्पनी चास - ८२७०१३, झारखण्ड	श्री ज्ञानचन्द शर्मा हिन्दुस्तान सप्लायर्स, बाईपास रोड चास-८२७ ०१३, बोकारो	श्री किशोरी लाल चौधरी आनन्द हार्डवेयर एण्ड टूल्स राँची-८३४ ००१, झारखण्ड
श्रीमती कमलादेवी चौधरी नारायणी निवास,एस.एन. गांगुली रोड, राँची-८३४ ००१	श्री आनन्द कुमार चौधरी आनन्द हार्डवेयर एण्ड टूल्स, एस. एन. गांगुली रोड, राँची-८३४ ००१	श्रीमती ममता चौधरी नारायणी निवास, एस. एन. गांगुली रोड, राँची-८३४ ००१	श्री आशुतोष चौधरी द होम स्मिथ, एस. एन. गांगुली रोड, राँची-८३४ ००१, झारखण्ड	श्री अरुण कुमार पिपुरिया (अग्रवाल) अरुण स्टोर, मेन रोड, कुंती - ८३५ २१०, झारखण्ड
श्री राम गोपाल सरावगी कान्हा लेक इण्डस्ट्रीज बैलाहाटी रोड, कुंती - ८३५ २१०	श्री हर्षवर्द्धन बजाज ५०२, मंगलमुर्ति हाइट्स रानी बागान, राँची-८३४ ००१	श्री ज्योति कुमार बजाज श्याम ज्योति मिनरल अपर बाजार, राँची-८३४ ००१	श्री अमित प्रकाश बजाज श्याम ज्योति मिनरल्स अपर बाजार, राँची-८३४ ००१	श्री रामा शंकर बगड़िया जोखीराम मार्केट, जे.जे. रोड, अपर बाजार, राँची - ८३४ ००१

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री रमेश कुमार धरनीधरका एस.जी. इन्टरप्राईजेज श्रद्धानंद रोड, राँची-८३४ ००१	श्री दीपक बथवाल एस.सी. मुखर्जी रोड मधुपुर - ८१५ ३५३, झारखण्ड	श्री संजय कुमार गुटगुटिया पत्थर चपटी रोड, मधुपुर देवघर, झारखंड - ८१५ ३५३	श्री प्रदीप कुमार मोदी एल. आर. डालमिया रोड मधुपुर-८१५३५३, झारखण्ड	श्री गोपाल कुमार चमड़िया पत्थर चपटी रोड, मधुपुर देवघर, झारखंड - ८१५ ३५३
श्री रवीन्द्र शर्मा पत्थर चपटी रोड,मधुपुर देवघर, झारखंड - ८१५ ३५३	श्री गौतम कुमार भोपालपुरिया आर. सी. बाजार, मधुपुर देवघर, झारखंड - ८१५ ३५३	श्री दिनेश कुमार गोयल अंकुर साड़ी सेन्टर, मेन रोड, सिमडेगा-८३५ २२३, झारखण्ड	श्री मनोज कुमार अग्रवाल अम्बिका इलेक्ट्रीकल्स, मेन रोड, सिमडेगा-८३५ २२३, झारखण्ड	श्री राजेश कुमार जालान जे. एम टेक्सटाइल, १४७, कॉटन स्ट्रीट, प्रथम तल, कोलकाता-०७
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल १८९/१/१, बांगड़ एवेन्यू कोलकाता-७०० ०५५	श्री संदीप कुमार अग्रवाल १८९/१/१, बांगड़ एवेन्यू कोलकाता-७०० ०५५	श्री गोपी किशन अग्रवाल पी-३६, इंडियन एक्सचेंज प्लेस कोलकाता - ७०० ००१	श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल २४, बेथन रो, इच्छापुरम काली मंदिर, कोलकाता-७०० ००१	श्री दीपक अग्रवाल विजन मल्टी चैनल प्रा. लि. १२९,बी.के.पाल एवेन्यू, कोल - ०५
श्री संजय बगड़िया २००, बांगड़ एवेन्यु, ब्लॉक-ए कोलकाता-७०० ०५५	श्री राजकुमार अग्रवाल २४/२५ए, प्रसन्न कुमार टैगोर स्ट्रीट कोलकाता-७०० ००६	श्री बैज नाथ चौधरी ९, राम सेवक मल्लिक लेन कोलकाता-७०० ००७	श्री ललित कुमार भुवालका ६, टी. एन. चटर्जी स्ट्रीट टॉबीन रोड, कोलकाता-७०० ०९०	श्री अशोक अग्रवाल १३६, जैशर रोड, ब्लॉक-५ फ्लैट-५१, कोलकाता-७०० ०५५
श्री अनिल अग्रवाल ५२/४, बांगड़ एवेन्यु, ब्लॉक-डी, चौथा तल, कोलकाता-७०० ०५५	श्री संजय शास्त्री २९६/१/२, बांगड़ एवेन्यु, ब्लॉक- डी, प्रथम तल, कोलकाता-०५५	श्री ओम प्रकाश केडिया २०/६, बांगड़ एवेन्यु, पुष्पिता टावर द्वितीय तल, कोलकाता-७०० ०५५	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल १९२/ए, बांगड़ एवेन्यु, ब्लॉक-ए कोलकाता-७०० ०५५	श्री गणेश कुमार अग्रवाल बी.डी. एस.फ़ूड्स प्रा. लि. ४८/८, जैशर रोड, कोल.-५५
श्री अतुल कुमार डालमिया १९ए, जवाहर लाल नेहरु रोड द्वितीय तल, कोलकाता-७०० ०८७	श्री सुनील कुमार हवेलिया १९ए, ब्लैक बर्न लेन, चौथा तल कोलकाता-७०० ०१२	श्री राजीव पोद्दार २१, कैमक स्ट्रीट, हैपी हाउस कोलकाता-७०० ०१६	श्री आलोक कुमार अग्रवाल ८३, गोलाघाट रोड, बी.आई.पी. टावर, कोलकाता-७०० ०४८	श्री रवीन्द्र अग्रवाल साकेत श्री, ३९ए, जोड़ापुकुर स्क्वायर लेन, कोलकाता - ०६
श्री राम किशोर गोयनका शरणम् ग्रुप, बेल्स हाउस २१, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता-१६	श्री सज्जन कुमार धुवालेवाला ९/१, आर. एन. मुखर्जी रोड आठवाँ तल, कोलकाता-७०० ००१	श्री मुकुन्द दुदानी श्रीजी एजेन्सी ८, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता - १७	श्री चन्द्र प्रकाश गोल्छा ६, गोविन्द चंदधर लेन प्रथम तल, कोलकाता-७०० ००१	श्री शुभ करन हीरावत २१/२, दयाराम नस्कर लेन घुसड़ी, हावड़ा-७११ १०७, प.बं.
श्री राजेन्द्र प्रसाद संगनेरिया १८४, गिरीश घोष रोड बेलुड़ मठ, हावड़ा-७११ २०२	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल रातुसरिया स्टील प्रा. लि. १०६, गिरीश घोष रोड, हावड़ा-०२	श्री अशोक कुमार मित्तल निलीमा अपार्टमेंट, १६, अभय गुहा रोड, लिलुआ, हावड़ा-२०४	श्री राम अवतार थरड १३५/२५/सी, गिरीश घोष रोड बेलुड़ मठ, हावड़ा ७११ २०२ प. बं.	श्री मनोज कुमार खण्डेलवाल पारस ट्रेडकॉम प्रा. लि. ८०, गिरीश पार्क , कोलकाता-६
श्री शम्भु कुमार मोदी २८/३, गणपति राय खेमका लेन लिलुआ, हावड़ा-७११ २०३ प. बं.	श्री ओम प्रकाश केडिया श्री पॉली पैक एण्ड लेबल्स १०९, कॉटन स्ट्रीट, कोलकाता-७	श्री किशन कुमार किला १८/१, महर्षी देवेन्द्र रोड, रूम नं. ५२, चौथा तल, कोलकाता-७	श्री सीताराम शर्मा १५, गणेश चन्द्र एवेन्यु सातवां तल, कोलकाता-७०० ०१३	श्री सुनील कुमार जालान बी एफ-२४/११, डी.बी. नगर बागुईहाटी, कोलकाता-७०० ०५९
श्री रमेश अग्रवाल ३९, काली कृष्ण टैगोर स्ट्रीट कोलकाता-७०० ००७	श्री रमेश चंद गुप्ता क्रिसेन्ट ट्रेवल्स, ७९, लेनिन सरणी कोलकाता-७०० ०१३	श्री सत्यनारायण गुप्ता २४१/३, जी.टी. रोड, लिलुआ, हावड़ा-७११ २०४	श्री पवन कुमार बंसल २१, हेमन्त बासु सरणी रूम ५०९, कोलकाता-७०० ००१	श्री संजीव कुमार केडिया भारत कैरियर्स लि., १२२ए, सी. आर. एवेन्यु, कोलकाता-७३
श्री बद्री केडिया दीप इंडस्ट्रीज, पांचवाँ तल ३२, इजरा स्ट्रीट, कोलकाता - १	श्री सुरेन्द्र अग्रवाल तिजीया इंजीनियरिंग प्रा. लि. २४१/१/२, जी.टी. रोड, हावड़ा	श्री सांवरमल शर्मा ३७, अभय गुहा रोड, तीसरा तल, लिलुआ, हावड़ा-७११ २०४	श्री बिनोद कुमार केडिया श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल प्रा. लि. १८०, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता-७	श्री संतोष कुमार केडिया क्वालिटी स्टील प्रोसेसर, ४, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कोलकाता-१
श्री बिनोद टेकरीवाल ५३/८/१, बोन बिहारी बोस रोड हावड़ा-७११ १०१ प. बं.	श्री सज्जन डिडवानियाँ जे.वी.एल. एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ४१ए, ए.जे.सी. बोस रोड, कोलकाता-१७	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल मनोज कुमार रवि कुमार बंसल २५०ए/७२, जी.टी. रोड, लिलुआ, हावड़ा	श्री पवन कुमार अग्रवाल इशु स्टील ट्रेडर्स, १९, गुहा रोड, घुसड़ी, हावड़ा-७११ १०७	श्री महेश कुमार देवटिया देवटिया इंटरप्राइजेज ६७/४५, स्ट्रैण्ड रोड, कोलकाता-७
श्री प्रमोद कुमार जैन प्रोगेसिव इंजीनियरिंग उद्योग ७ए, किरण शंकर राय रोड, कोलकाता-१	श्री प्रदीप जिवराजका जिवराजका एण्ड कं. , १२, ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कोलकाता-१	श्री दिलीप कुमार चौधरी ६/२, मोयरा स्ट्रीट, हलवासिया मेनसन, कोलकाता-७०० ०१७	श्री बिनोद कुमार बियानी ए.सी.सी. इंफोटेक, ९/१२, लाल बाजार स्ट्रीट, कोलकाता - १	श्री महावीर प्रसाद पसारी अगवानी मार्बल्स, द्वितीय तल ४०, स्ट्रैंड रोड, कोलकाता - १

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय स्थायी समिति

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, अध्यक्ष

श्री संतोष सराफ, उपाध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र लाठ, उपाध्यक्ष
श्री कमल नोपानी, उपाध्यक्ष
श्री शिव कुमार लोहिया, महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका, संगठन मंत्री
श्री दिनेश कुमार जैन, संयुक्त महामंत्री
श्री ओंकारमल अगरवाला, उपाध्यक्ष
श्री राजकुमार पुरोहित, उपाध्यक्ष
श्री अनिल कुमार जाजोदिया, उपाध्यक्ष
श्री कैलाशपति तोदी, कोषाध्यक्ष
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, संयुक्त महामंत्री

सदस्य स्थायी समिति

श्री विश्वनाथ सिंघानिया
श्री दिलीप कुमार गोयनका
श्री रामनिवास शर्मा (चोटिया)
श्री विनोद कुमार सराफ
श्री शरद केडिया
श्री संजय कुमार शर्मा
श्री संदीप कुमार सेकसरिया
श्री संजय गोयनका
श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (केयाल)
श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल
श्री राधाकिशन सफ्फड़
श्री सुरेश अग्रवाल
श्री श्रीमोहन चौधरी
श्री काशी प्रसाद ढेलिया
श्री ओम लड़िया
श्री रमेश कुमार बूबना
श्री विष्णु पोद्दार
श्री प्रमोद कुमार गोयनका
श्री राजेश कुमार पोद्दार
श्री शिव कुमार बागला
श्री मनोज कुमार अग्रवाल
श्री कैलाश परसरामपुरिया
श्री रवि लोहिया
श्री संजय कुमार अग्रवाल
श्री मनोज चाँदगोठिया

पदेन सदस्य : सम्मेलन की सभी उपसमितियों के चेयरमैन एवं संयोजक स्थायी समिति के सदस्य होंगे। सम्मेलन की उपसमितियाँ निम्नवत् हैं।

सम्मेलन की उपसमितियाँ

सलाहकार उपसमिति : चेयरमैन - श्री सीताराम शर्मा, संयोजक - श्री संतोष सराफ, सदस्यगण - श्री भानीराम सुरेका, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री नंदलाल रुँगटा, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री राम अवतार पोद्दार, श्री रतनलाल शाह, श्री शिव कुमार लोहिया।

भवन निर्माण उपसमिति : चेयरमैन - डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, को-चेयरमैन - श्री संतोष कुमार रुँगटा, संयोजक - श्री संतोष सराफ, सदस्यगण - श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री भानीराम सुरेका, श्री नंदलाल रूँगटा, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री श्रवण कुमार तोदी, श्री सीताराम शर्मा।

संविधान एवं विधिक उपसमिति : चेयरमैन - श्री नंदलाल सिंघानिया, संयोजक - श्री संजय कुमार हरलालका, सदस्यगण - श्री अनिल कुमार जाजोदिया, श्री विनय सरावगी, श्री सी.के. जैन, श्री कैलाशपति तोदी, श्री कमल नोपानी, श्री ओंकारमल अगरवाला, श्री पवन कुमार गोयनका, श्री पवन कुमार सुरेका, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री रतनलाल शाह, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री सीताराम शर्मा, श्री सुरेन्द्र लाठ।

उच्चशिक्षा उपसमिति : चेयरमैन - डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया, संयोजक - श्री आत्माराम सोंथलिया, सदस्यगण - श्री अरुण सुरेका, श्री बनवारी लाल मित्तल, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, श्री नारायण प्रसाद डालमिया, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री राम नाथ झुनझुनवाला, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संजय हरलालका, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री श्याम सुन्दर बेरीवाल, श्री सीताराम शर्मा।

राजनैतिक चेतना उपसमिति : चेयरमैन - श्री नंदलाल सिंघानिया, संयोजक - श्री नंदकिशोर अग्रवाल, सदस्यगण - श्री भानीराम सुरेका, श्री जय किशन झँवर, श्रीमती मीनादेवी पुरोहित, श्री संतोष सराफ, श्री शिशिर कुमार बाजोरिया, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री सीताराम शर्मा, श्री सुरेन्द्र लाठ।

समाज सुधार उपसमिति :चेयरमैन - डॉ. जुगल किशोर सराफ, संयोजक - श्री शिवकुमार लोहिया, सदस्यगण - श्री विश्वनाथ केडिया, श्री हरि प्रसाद बुधिया, श्री मदनलाल बमलवा, श्री नेमीचंद पोद्दार, श्री ओम लड़िया, श्री प्रह्लाद राय गोयनका, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री पुष्कर लाल केडिया, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री रमेश कुमार नांगलीया, श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला।

सम्मेलन की उपसमितियाँ

वित्तीय उपसमिति : चेयरमैन - श्री आत्माराम सोंथलिया, संयोजक - श्री कैलाशपति तोदी, सदस्यगण - श्री अतुल चुरीवाल, श्री बनवारी लाल मित्तल, श्री बासुदेव प्रसाद यादुका, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री हरिप्रसाद अग्रवाल, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री प्रदीप कुमार सिंघानिया, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संतोष कुमार रुँगटा, श्री संतोष सराफ, श्री सतीश कुमार देवड़ा, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री सुशील धनधरिया, श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (केयाल)।

निर्देशिका उपसमिति : चेयरमैन - श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, संयोजक - श्री संजय कुमार हरलालका, सदस्यगण - श्री गोपाल अग्रवाल, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संदीप सेकसरिया, श्री शिव कुमार लोहिया।

सदस्यता उपसमिति : चेयरमैन - श्री बी. डी. भैया, संयोजक - श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सदस्यगण - श्री देव किशन मोहता, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री शिव कुमार लोहिया।

वैवाहिक परिचय उपसमिति : चेयरमैन - श्री ऋषि बागड़ी, संयोजक - श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सदस्यगण - श्री बिजय गुजरवासिया (अग्रवाल), डॉ. जुगल किशोर सराफ, श्री कैलाशपति तोदी, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री राम प्रसाद सराफ, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री शिव कुमार लोहिया।

रोजगार उपसमिति : चेयरमैन - श्री दिनेश कुमार जैन, संयोजक - श्री ऋषि बागड़ी, सदस्यगण - श्री अमित सरावगी, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, श्री संजय कुमार हरलालका, श्री शिव कुमार लोहिया।

पंचायत उपसमिति : चेयरमैन - श्री रामअवतार पोद्दार, संयोजक - श्री नंदलाल सिंघानिया, सदस्यगण - श्री सीताराम शर्मा, श्री नंदलाल रुँगटा, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री राम प्रसाद सराफ, श्री शिव कुमार लोहिया।

पुरस्कार चयन उपसमिति : चेयरमैन - श्री नंदलाल रुँगटा, संयोजक - श्री संजय कुमार हरलालका, सदस्यगण - श्री सीताराम शर्मा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री नरेन्द्र कुमार तुलस्यान, श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, श्री ओंकारमल अगरवाला, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री राम अवतार पोद्दार, श्री रतनलाल साह, श्री संतोष सराफ, श्री शिवकुमार लोहिया।

संस्कार संस्कृति चेतना उपसमिति : चेयरमैन - श्री नंदलाल सिंघानिया, संयोजक - श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, सदस्यगण - श्री सीताराम शर्मा, श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री ऋषि बागड़ी, श्री संदीप सेकसरीया, श्री संतोष कुमार रूँगटा, श्री शिव कुमार लोहिया।

युवा उपसमिति : चेयरमैन - श्री नंद किशोर अग्रवाल, संयोजक - श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, सदस्यगण - श्री कैलाशपति तोदी, श्री संजय कुमार हरलालका, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (केयाल)।

समाचार सार

महेश पोद्दार झारखंड से राज्यसभा के लिए निर्वाचित

सुप्रसिद्ध समाजसेवी, राजनेता, प्रखर वक्ता एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सक्रिय सदस्य श्री महेश पोद्दार झारखंड प्रांत से राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

श्री पोद्दार लम्बे समय से सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। वे भारतीय जनता पार्टी के बिहार राज्य उद्योग मंच के महामंत्री और वनांचल समिति राँची के व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक रह चुके हैं। सत्र २००४-०५ से वे झारखंड भाजपा के प्रांतीय कोषाध्यक्ष हैं।

श्री महेश पोद्दार स्टील वायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के चेयरमैन, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट और झारखण्ड स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रेसिडेंट रह चुके हैं तथा सेवा भारती, बिरसा सेवा संस्थान, जोन्हा, राँची के संस्थापक सदस्य हैं। वर्तमान में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड सबकमिटी ऑन लांग प्रोडक्ट्स के सदस्य एवं आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलूरू के श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। आप जनहित के विषयों, उद्योग-व्यापार, खासकर लघु एवं कुटीर उद्योगों का प्रतिनिधित्व विभिन्न मंचों पर करते रहे हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन श्री पोद्दार को बधाइयाँ प्रेषित करते हुए उनकी उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता है!

साहित्य गरिमा पुरस्कार हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित

दक्षिण प्रांतों (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, गोवा एवं केरल) की महिला रचनाकारों द्वारा काव्य रचना को प्रोत्साहित करने के लिए उक्त पुरस्कार साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, हैदराबाद द्वारा दिए जाते हैं। पुरस्कार स्वरूप ग्यारह हजार रूपये की राशि, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृतिचिह्न प्रदान किया जाता है। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि ३० सितम्बर २०१६ है। अधिक जानकारी हेतु डॉ. अहिल्या मिश्र (०९८४९७४२८०३) या डॉ. रमा द्विवेदी (०९८४९०२१७४२) से सम्पर्क किया जा सकता है। ★ ★ ★

With Best Compliments from :

Ganpati Industrial Pvt. Ltd.

(Re-Roller & Manufacturer of Railway Track Materials)

Regd. Office :
'Nicco House', 3rd Floor
2, Hare Street
Kolkata - 700 001
Tel : 033 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 2248 1877
E-mail: sales@jekay.com

Website: www.jekay.com

Factory :
Plot No. 65 & 66
Urla Industrial Area, Sector-C
Raipur-493 221 (C.G.)
Tel: 0771 4212 511/512/514
Fax No. 0771 4212 555

shri balaji ki dhani

Resort Living in an Ethnic Surrounding at Salasar, Rajasthan

- Bank Approved
- Apartments from Rs. 9 lacs onwards
- Option of Monthly Rental Income
- First Phase Possession March 2017
- Only 5 Minutes from Bala Ji Temple

Welcome to shri balaji ki dhani Salasar's First resort style living. Unmatched elegance and peace to give you the ultimate experience of a lifetime. Rejuvenate life under the blessed presence of Salasar Balaji.

Location Map

Reception

Meditation Center

Developer:
Tierra BuildTech Pvt. Ltd.

Corporate Office:
D 78, Sector 7,
NOIDA , UP 201301
Mob: +91 99711 26699

Kolkata Office:
708/1 (GF) Block P,
New Alipur,
Kolkata - 700 053.
Mob: +91 99711 26699
+91 96740 05506

Salasar Site:
Shri Balaji Ki Dhani,
Village-Juliyasar,
Salasar Laxmangarh Road, Salasar,
District-Sikar, Rajasthan - 331 506
Mob: +91 93140 84967

www.balajikidhani.com
https://web.facebook.com/BalajiKiDhani

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
BNP PARIBAS
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

Products and Services

BONDS
- GOI Bond
- State Gtd Bond
- PSU Bond
- Corporate Bond

WEALTH MANAGEMENT
- Mutual Fund
- Fixed Deposit
- Tax Free Bond
- Deep Discount Bond

TRADE FINANCE
- Buyers Credit
- Suppliers Credit
- L/C Discounting

INSURANCE
- Corporate Broker
- Life Insurance
- General Insurance

BROKING
- Equity
- Commodity
- Currency
- IPO/FPO

LOAN SYNDICATION
- Project Finance
- Working Capital
- Infra Project
- Earth Moving Equipment

STRUCTURED FINANCE
- Loan Against Shares
- Loan Against Property
- Promoter Funding

REAL ESTATE ADVISORY
- Rental Income
- Property Broking
- Soft Launch

ADVISORY SERVICES
- Private Placement
- Brand Acquisition
- International Trade
- Duty Credit Scrip

AUM Capital Market Pvt. Ltd.

Trinity Building, Unit No. 6, 6th Floor, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700 020 • Ph.: +91 33 3058 8405

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : पश्चिम बंग

पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा उत्कृष्ट अंक प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रतिभा सम्मान समारोह, १० जुलाई २०१६ को कोलकाता स्थित कलामंदिर सभागार में किया गया। समारोह में दिल्ली बोर्ड व बंगाल बोर्ड के १०वीं व १२वीं कक्षाओं के करीब ९० विद्यालयों के ४३० छात्र-छात्राओं को सम्मेलन ने प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया। समारोह में विद्यार्थियों को मेमेन्टो, उपहार एवं सम्मेलन के प्रतीक चिह्न एवं प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को विशेष उपहार दिया गया। समारोह में सभी अतिथियों को सम्मेलन की ओर से सम्मेलन के प्रतीक चिह्न (मेमेन्टो) देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** ने किया।

प्रतिभा सम्मान की प्रतिभागी छात्रा को सम्मानित करते श्री प्रह्लाद राय अगरवाला; अन्य परिलक्षित हैं – श्री बिजय कुमार डोकानियाँ एवं छात्रा के अभिभावक।

श्री डोकानियाँ ने सर्वप्रथम उपस्थित अतिथिगणों, अपने सदस्यों एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षा का सबसे बड़ा योगदान है। इतिहास गवाह है हमारा भारतवर्ष शिक्षा के क्षेत्र में विश्वगुरु था एवं सोने की चिड़िया कहलाता था। नालन्दा एवं तक्षशिला के अवशेष इस बात के प्रमाण हैं। कालान्तर में विदेशी ताकतों ने लोभ में आकर, हमारी कुछ कमजोरियों का फायदा उठाकर हमें लगभग ४०० सालों तक गुलाम बनाये रखा। उन्होंने न सिर्फ हमें आर्थिक रूप से लूटा, हमारी शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया एवं हमारे संस्कृति और संस्कार को भी नष्ट करने की चेष्टा की, अपितु हमें गरीब देशों के श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। परन्तु पुनः हमारे पूर्वजों के बलिदानों से हम स्वाधीन हुए, हमने अपनी शिक्षापद्धति को सुधारा।

समारोह के उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि छात्रों-छात्राओं को और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। समाज तेजी से आगे बढ़ रहा है, अपने बच्चों को भी तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। समारोह के प्रधान अतिथि **श्री गिरधारीलाल सुल्तानिया** ने उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के क्षेत्रों में अधिक परिश्रम करने पर बल देते हुए कहा कि बच्चे जिस विषय में रूचि रखता है, उसे उसी विषय पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

समारोह के प्रधान वक्ता **श्री बनवारी लाल मित्तल** ने कहा कि जमाना बदल रहा है, विश्व काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारे बच्चों को भी पढ़ाई के क्षेत्र में तेजी के साथ नए-नए अवसर तलाशने की जरूरत है। तभी हम जाकर विश्व स्तर की शिक्षा हासिल कर पायेंगे एवं विश्व के बड़े-बड़े उन्नतशील देशों में हमारा भारत भी शामिल हो पाएगा। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के क्षेत्रों में नए-नए गुरों से अवगत कराया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बताया कि समाज के विद्यार्थी सभी क्षेत्रों में सफलता पा रहे हैं। प्रशासन एवं पुलिस के उच्च पदों के लिए भी उन्हें प्रयत्नशील होने की सलाह दी।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिवकुमार लोहिया** ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि **साविद्या या विमुक्तये**। यानि जो विद्या जड़ता से एवं अज्ञान से मुक्ति दिला दे, वह विद्या है। विद्यार्थियों को उन्होंने कहा कि उनके जीवन की बागडोर उनके हाथ में हैं। उन्हें स्वयं अपने जीवन को संयम, परिश्रम, लगन एवं निष्ठा से संवारना है।

महामंत्री **सत्यनारायण अग्रवाल** ने सम्मेलन के गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों को और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। समारोह के संयोजक **श्री संतोष मोहता** ने समारोह का सफल संचालन किया। इस मौके पर **सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, बिजय गुजरवासिया, श्यामलाल डोकानिया, बिश्वनाथ भुवालका, पंकज केडिया, नन्दकिशोर अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, नारायण प्रसाद अग्रवाल, शंकर लाल डोकानिया, कृष्ण कुमार डोकानिया, अशोक पारख, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका** आदि ने उपस्थित रहकर समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में **सर्वश्री जगदीश प्रसाद पाटोदिया, शंभु चौधरी, सुरेश कुमार अग्रवाल, शुभम डोकानिया, सुशील गुप्ता, बिनोद टिबड़ेवाल** सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। ★★★

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : बिहार

आडम्बर से मुक्ति जरूरी : कमल नोपानी

दिनांक ३१ जुलाई २०१६ को पटना में राणा प्रताप सभागार में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आडम्बर निवारण विचारगोष्ठी आयोजित की गई। समारोह के संयोजक सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** थे। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल झुनझुनवाला** ने सभी का स्वागत किया। श्री कमल नोपानी ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि पिछले कुछ वर्षों से बिहार में आडम्बर के विरोध में सभी पक्षों से मिलकर एक आम सहमति बनी थी। उसका कुछ असर भी हुआ, पर बीते समय के साथ-साथ यह महसूस किया जा रहा है कि इस ६ सूत्री कार्यक्रम को एक बार फिर से निष्ठा के साथ लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस गोष्ठी से कुछ ठोस सुझाव आयेंगे ताकि आडम्बर के चलन से मुक्ति पाया जा सके।

मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार लोहिया को सम्मानित करते प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला।

विचारगोष्ठी को सम्बोधित करते प्रधान वक्ता श्री रतन शाह, अन्य परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री महेश जालान, ओमप्रकाश टिबड़ेवाल, शिव कुमार लोहिया, निर्मल झुनझुनवाला, कमल नोपानी एवं पवन सुरेका।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष **श्री पवन कुमार सुरेका** ने कहा कि सूत्र निर्धारण से आगे बढ़कर उन सूत्रों को लागू करने के उपायों के बारे में भी निर्णय लेने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि घर में कोई भी निर्णय लेने में युवा पीढ़ी एवं महिलाओं की अहम भूमिका होती है।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिवकुमार लोहिया** ने अपने वक्तव्य में नये सत्र २०१६-१८ की सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय की गतिविधियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। आडम्बर के विषय पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज आज देश के कोने-कोने में फैला हुआ है। समाज में कई प्रकार की कमियाँ घर कर रही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम सचेत हो जायें। समाज पर कोई भी अंगुली उठाये, इससे हम बचें। सोच बदलने की आवश्यकता है। आडम्बर का महत्व अस्थायी है। सम्मेलन के संगठन को मजबूती प्रदान करने का उन्होंने आग्रह किया।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रतन शाह** ने कहा कि सम्मेलन का इतिहास गौरवमय रहा है। युवाओं एवं महिलाओं के साथ मिलकर इन मुद्दों पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार प्रांत में शुरू से ही सम्मेलन सक्रिय रहा है एवं बिहार से सम्मेलन के कई कर्मठ कार्यकर्ता का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

अध्यक्ष **श्री निर्मल झुनझुनवाला** ने संतोष व्यक्त किया कि बड़ी संख्या में उपस्थित होकर समाजबंधुओं ने समारोह को सफल बनाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गोष्ठी में चर्चा किये गए मुद्दों का सभी समाजबंधु पालन करने आगे आयेंगे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच की राष्ट्रीय सचिव **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** ने कहा कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इस विषय में महिलाओं द्वारा स्वतंत्र निर्णय लेने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया, जो कि आज के परिप्रेक्ष्य में संभव नहीं जान पड़ रहा।

भूतपूर्व न्यायाधीश **श्री रमेश कुमार रतेरिया** ने कहा कि आडम्बर का **महिमा-मंडन** बंद होना चाहिए। इसके आडम्बर स्वतः कम हो जायेगा।

गोष्ठी का सफल संचालन **श्री महेश जालान** ने किया। अंत में बिहार सम्मेलन के महामंत्री **श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। स्वरूचि भोज के उपरांत समारोह समाप्त हुआ। ★★★

छः सूत्री कार्यक्रम

- **निमंत्रण कार्ड की कीमत अधिकत्तम ४० रूपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।**
- **अन्य महानगरों की तरह समारोह का निमंत्रण कार्ड स्टाफ या कोरियर से प्राप्त होने पर इसे व्यक्तिगत उपस्थिति मानी जानी चाहिए। उसके बाद फोन से आग्रह किया जा सकता है।**
- **पंडालों की सजावट एवं भव्यता में कमी आनी चाहिए।**
- **बारात निकलने के बाद सड़क पर नाच–गाने का प्रयोग पूर्णतः बन्द होना चाहिए। विवाह स्थल पर अपनी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है।**
- **एक आयोजन के लिए अधिकत्तम दो पार्टी से ज्यादा नहीं होना चाहिए।**
- **खाने-पीने में अधिकत्तम ३५ आइटमों से ज्यादा नहीं होना चाहिए।**

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : दिल्ली

सम्मेलन की पूर्वी दिल्ली शाखा का 'मोटिवेशनल सेमिनार'

गत ३१ जुलाई २०१६ को विवेक विहार, दिल्ली स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में सम्मेलन की पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा एक मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक **डॉ. शंकर गोयनका** ने २३ दम्पत्तियों एवं अन्य उपस्थित महिला-पुरुषों का मार्गदर्शन किया।

डॉ. गोयनका ने निराशाजनक परिस्थितियों के सामने खुद को बौना न समझने एवं अपनी पूरी ताकत से समस्याओं के समाधान में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि हरेक समस्या अपने साथ समाधान लेकर आती है। आवश्यक यह है कि हम हताश न हों तथा समस्याओं को चुनौतियों के रूप में लें।

सेमिनार को संबोधित करते हुए दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने कहा कि जीवन में मनुष्य को अनेक सम-विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। प्रतिकूल अवसरों पर धैर्यपूर्वक एवं साहस से समस्याओं का सामना करना ही समझदार व्यक्ति की निशानी है।

डॉ. शंकर गोयनका को स्मृति-चिह्न प्रदान करते सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री संतोष रूंगटा, अन्य परिलक्षित हैं सर्वश्री राजकुमार अग्रवाल (भूत), अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राधेश्याम बंसल, प्रताप अग्रवाल, ताराचंद तायल एवं पवन कुमार गोयनका।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री बाबूलाल दुगड़**, कोषाध्यक्ष **श्री बसंत पोद्दार**, पूर्वी दिल्ली शाखा के अध्यक्ष **श्री राजकुमार अग्रवाल (भूत)**, महामंत्री **श्री प्रताप अग्रवाल**, कोषाध्यक्ष **श्री प्रकाश हीरावत**, स्थानीय अग्रवाल सभा के अध्यक्ष **श्री राधेश्याम बंसल**, महामंत्री **श्री मनीष अग्रवाल, श्री अशोक अग्रवाल (भूत)** आदि ने सेमिनार के आयोजन एवं सफलता हेतु सक्रिय योगदान किया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री राजकुमार मिश्रा** ने सेमिनार का संचालन किया। ★★★

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : पूर्वोत्तर

जोरहाट शाखा द्वारा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन

सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा गत १८ जून २०१६ को एक अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें असम विधानसभा के लिए जोरहाट से नवनिर्वाचित विधायक **श्री हितेन्द्र नाथ गोस्वामी** एवं इस वर्ष १०वीं एवं १२वीं कक्षा की परीक्षा में ८०% से अधिक अंक पाने वाले समाज के १७ छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सम्मानित छात्र-छात्राओं के साथ विधायक श्री गोस्वामी।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री हितेन्द्र नाथ गोस्वामी ने कहा कि जोरहाट के मारवाड़ी समाज का उनकी जीत में महत्वपूर्ण योगदान है। मारवाड़ी समाज जरूरतमंदों को रोजगार देने में अहम भूमिका निभाता है।

इसके पूर्व जोरहाट सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बाबूलाल गगड़** ने स्वागत-भाषण दिया। श्री गगड़, प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल**, जोरहाट शाखा के मंत्री **श्री अनिल केजड़ीवाल**, कोषाध्यक्ष **श्री रतनलाल भंसाली**, **सर्वश्री रामअवतार अग्रवाल**, **दुलीचंद अग्रवाल**, **जुगल किशोर सिंघी**, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की **श्रीमती सविता मोदी**, मारवाड़ी युवा मंच के **श्री ज्योति प्रसाद सिंघी**, अपर असम चैम्बर ऑफ कामर्स के **श्री ओमप्रकाश गट्टाणी**, पार्षद **श्री अंकुर गुप्ता** आदि ने विविध प्रकार से विधायक श्री गोस्वामी का सम्मान किया एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अभिनंदित-पुरस्कृत किया।

समारोह का संचालन शाखा उपाध्यक्ष **श्री राजेश जैन** एवं मंत्री **श्री अनिल केजड़ीवाल** ने किया। **श्री अनित अग्रवाल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। ★★★

श्री गोस्वामी को स्मृति-चिह्न देते जोरहाट सम्मेलन के पदाधिकारी।

WATER PROOFING COMPOUNDS
CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES
GROUTS & REPAIRING MORTARS
EPOXY GROUTS & MORTARS
CONCRETING AIDS
SHOT CRETE AIDS
FLOOR TOPPINGS
TILE ADHESIVE
SEALANTS
FOUNDRY AID
COATING/IMPREGNATION
REMOVER/CLEANING COMPOUNDS
EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM
PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS/SHEETINGS
HIND
Strength Upon Strength
HINDCON CHEMICALS LIMITED
(Formerly HIND SILICATES PVT. LTD.)
AN ISO 9001 & ISO 22716CERTIFIED COMPANY
Manufacturers of :
SODIUM SILICATE & CEMENT ADDITIVES
(CHEMICALS FOR CONSTRUCTION)
We undertake waterproofing & rehabilitation jobs
IS:2645 & IS:9103
IGBC-MP1408
BHUBANESWAR : Subrat Kuanr +91 9830079567, Santosh Nayak +91 8895677677, GUWAHATI : Manik Dey +91 9864824344, HIMACHAL PRADESH : Sohan Singh Pathania +91 9816429795, KOLKATA: Nest Constructors +91 9831075782, MIDNAPORE (W.B) : New S.A. Sanitary +91 9851403508, MUMBAI : M.S. Construction +91 9821142952, MANGALORE: N.K.Prosad +91 9900450242, NEW DELHI : Biswajit Bhowmick +91 9810719276, Home Care Agency +91 9810172216, PATNA : Happy Home +91 9122191920, SILIGURI : Subhojit Ghosh +91 9836367567, UTTAR PRADESH : Pramod Kr. Shahi +91 8726808888, Hind Trading Company +91 7052429999
BHUTAN (JAIGAON) : Bhawani Enterprise +91 9434607111, NEPAL : Ashwin International Pvt. Ltd 009779851035502.
62B, Braunfeld Row, VASHUDHA, Kolkata-700 027
Tel.:+91 33 2449 0835 / 39, & +91 98305 99113, Fax :+91 33 2449 0849
email : contactus@hindcon.com, Website : www.hindcon.com

समाचार सार

सीताराम शर्मा की ७०वीं वर्षगाँठ पर

कॉफी टेबल बुक 'माई लाइफ एंड टाईम्स' का लोकार्पण

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** ने कहा कि **श्री सीताराम शर्मा** का पत्रकार, लेखक, कूटनीतिज्ञ, समाजचिंतक, व्यवसायी, राजनैतिक पर्यवेक्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में एक बहुआयामी व्यक्तित्व रहा है। राज्यपाल बेलारूस के कन्सुल जनरल, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल संयुक्त राष्ट्र संघ के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा की ७०वीं वर्षगाँठ के अवसर पर प्रकाशित कॉफी टेबल बुक 'माई लाईफ एण्ड टाईम्स' के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आत्मजीवनी का महत्व केवल परिवार तक ही सीमित नहीं रहता। जो आपके जीवन की सभी सुखद एवं दुःखद घटनाओं को जानना चाहते हैं, समाज का एक वर्ग आपके सफल जीवन के संदेश, आदर्श एवं मूल्यों को अपने जीवन में ढालने का प्रयास कर सकता है।

सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री **प्रोफेसर सौगत राय** ने अपने ४० वर्षों से अधिक के संबंध की चर्चा करते हुए कहा कि सीतारामजी के मधुर एवं गहरे राजनैतिक संपर्क विभिन्न राजनेताओं से रहे हैं। पूर्व सांसद **प्रो. भारती राय** एवं पूर्व राज्यपाल न्यायाधीश **श्री श्यामल कुमार सेन** ने भी अपने व्यक्तिगत संबंधों की चर्चा करते हुए श्री शर्मा के विशिष्ट योगदानों की बात कही।

मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने श्री शर्मा के सामाजिक योगदान को महत्वपूर्ण बताया। मंच पर यादवपुर विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो. सुरंजन दास, प्रसिद्ध चित्रकार श्री सुभाप्रसन्ना और मेम्बर इन काउंसिल, श्री देवाशीष कुमार भी उपस्थित थे।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार, उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ, महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका सहित उद्योग, कूटनीति, शिक्षा आदि क्षेत्रों के गणमान्य विशेषज्ञ उपस्थित थे।

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : उत्कल

सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

गत २४ जुलाई २०१६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा एवं स्थानीय रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में अन्नपूर्णा मंडप, नयापल्ली, भुवनेश्वर में एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय विधायक **श्री प्रियदर्शी मिश्र**, पूर्व विधायक **श्री राजेन्द्र ढोलकिया**, भुवनेश्वर के मेयर **श्री अनंत नारायण जेना** एवं ओड़िया फिल्म अभिनेत्री **सुश्री अनु चौधरी** ने रक्तदाताओं का अभिनंदन-प्रोत्साहन किया।

सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष **श्री अशोक अग्रवाल**, मंत्री **श्री रवि अग्रवाल** एवं रोटरी क्लब के स्थानीय पदाधिकारियों ने समारोह में सक्रिय भूमिका निभाई। ★★★

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before
"Good morning"
we are the first thing on
a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं का आह्वान

हमें पुनः विश्वगुरु बनना है!

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

"भारत मानव जाति का पालना है, मानव भाषा की जन्मस्थली है, इतिहास की जननी है, पौराणिक कथाओं की दादी और प्रथाओं की परदादी है। मानव इतिहास की हमारी सबसे कीमती और सबसे ज्ञानगर्भित सामग्री केवल भारत में ही संचित है।" ये कहना है अमेरिका के प्रख्यात विद्वान **मार्क ट्वेन** का जो कि उन्होंने पूरे होशो-हवाश में कही थीं। भारत के गौरवमय इतिहास के विषय में विश्व के अनेकों जाने-माने विद्वानों ने बहुत सी बातें कही हैं, जिन्हें पढ़कर रोमांच एवं गौरवबोध होता है। जर्मनी के प्रसिद्ध दार्शनिक **मेक्स मूलर** ने कहा था — अगर मुझसे पूछा जाय कि किस आकाश के तले मानव मस्तिष्क ने अपना सबसे प्रिय उपहार का विकास किया है, जीवन के जटिलतम समस्याओं के विषय में गंभीरतापूर्वक मंथन किया है एवं उसका निदान सुझाया है, तो मैं भारत की ओर इशारा करूँगा। फ्रांस के **रोमेन रोलेंड** ने कहा है — यदि धरती पर ऐसी जगह है जहाँ प्रारम्भिक दिनों से ही जब मनुष्य ने सपने देखने शुरु किये और उसके सभी सपनों को आश्रय मिला, वह जगह भारत है। कभी बनारस विश्व के ज्ञान का केन्द्र हुआ करता था। बनारस के प्राचीनता के विषय में कहा गया है कि बनारस इतिहास से भी पुराना है, परम्पराओं से पुराना है, किंवदतियों से भी प्राचीन है और जब सबको एकत्र कर दूँ तो उस संग्रह से भी दोगुना प्राचीन है।

स्वामी विवेकानन्द भारत के गौरवमय इतिहास के विषय में जानते थे। उन्होंने कहा था - **"भारतीय जितना ज्यादा अपने अतीत के विषय में अध्ययन करेंगे, उतना ही हमारा भविष्य उज्जवल होगा। जो भी व्यक्ति हमारे अतीत को प्रत्येक व्यक्ति के दरवाजे लेकर आता है, वह देश का सर्वाधिक हितैषी है। हमारा पतन इसलिए नहीं हुआ कि हमारे प्राचीन कायदे-कानून अच्छे नहीं थे, बल्कि इसलिये कि उनका पूर्ण रूप से निष्पादन नहीं करने दिया गया।"** विदेशी आतातायियों ने हमारे देश को तरह-तरह से आघात पहुँचाया। सन् १८३५ में **लार्ड मैकाले** ने ब्रिटिश संसद में कहा था – "भारत के लोग नैतिक मूल्य एवं बौद्धिक क्षमता से सराबोर हैं। मैं नहीं समझता कि इस देश की रीढ़ की हड्डी चूर-चूर किये बिना इस देश पर हम विजय प्राप्त कर सकते हैं। अतएव मेरा प्रस्ताव है कि हम उनकी प्राचीन शिक्षा-पद्धति एवं संस्कृति को ही बदल दें, क्योंकि जब भारतीय यह समझने लगेंगे कि जो कुछ भी विदेशी एवं अंग्रेजी है, वह उनकी विरासत से श्रेष्ठ है, तब वे अपना आत्म-सम्मान खो देंगे एवं सही मायने में गुलाम बन जायेंगे।" अंग्रेजों के पहले मुगलों ने भी भारत को गुलाम बनाकर लूटा एवं हमारी मजबूत अर्थव्यवस्था एवं अनुपम संस्कृति पर कुठारघात कर उसे तहस-नहस कर दिया। फिर भी हमारा अस्तित्व आज कायम है, यह किसी आश्चर्य से कम नहीं। लम्बी लड़ाई के बाद हमने स्वतंत्रता तो प्राप्त कर ली पर जल्द ही हमारे स्वतंत्रता-सेनानियों के बलिदानों को भुला दिया गया। राष्ट्रप्रेम एवं आत्मगौरव की जगह भ्रष्टाचार, सामाजिक पतन, नैतिक अवमूल्यन एवं क्षुद्र मानसिकता से हम आज ग्रस्त हैं। कवि की पंक्तियाँ सटीक बैठती हैं-

मेरी तहजीब नंगी हो रही है, यह उड़कर एक दुपट्टा जा रहा है,
न जाने क्या जुर्म हुआ हमसे, हमें किश्तों में लूटा जा रहा है।

विश्वगुरु के रूप में स्वीकृत हमारी परम्परा, संस्कृति एवं संस्कारों से क्रमशः हम दूर होते जा रहे हैं। आज देश की ६५ प्रतिशत आबादी युवा है। युवकों के आदर्श आज महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस एवं भगत सिंह न होकर अमरीकी आर्थिक संस्थाएँ हो गई हैं। चाणक्य नीति, विदुर नीति, भगवद्गीता के संदेश पूरे विश्व में विभिन्न तरीकों से अपनाये जा रहे हैं, पर हम उनसे दूर होते जा रहे हैं। प्रत्येक सामाजिक समस्या एवं विसंगति का राजनैतिकरण करने के वर्तमान चलन से समाज विभक्त होता जा रहा है। सामाजिक समरसता एवं भाईचारा के बिना तथाकथित आर्थिक विकास के दावे एक मृगमरीचिका के समान एवं बेमानी है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था — युवा का अर्थ है स्वयं में दृढ़ विश्वास रखना, अपने आशावादी निश्चय एवं संकल्प का अभ्यास करना और सुसंस्कृति के इस सुंदर कार्य में अच्छे इरादों की इच्छा रखना। सच्ची सफलता का सार ये है कि तुम स्वयं कैसा बनते हो। यह जीवन का आचरण है, जिसे तुम विकसित करते हो। यह चरित्र है, जिसका तुम पोषण करते हो और किस तरह का व्यक्ति बनते हो। यह सफल जीवन का मूल अर्थ है। **इसलिए तुम पाओगे कि महत्वपूर्ण मसला सिर्फ जिंदगी में सफलता से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि जीवन की सफलता का है।**

पाश्चात्य सभ्यता एवं मापदंडों की चकाचौंध से प्रभावित आज के युवा के पास जो भी सांस्कृतिक धरोहर थी, उसे गंवा बैठा है। आज का अभिमन्यु चक्रव्यूह का सातवाँ द्वार भेदने में असमर्थ है। प्रख्यात साहित्यकार एवं कवि श्री केशरीनाथ त्रिपाठी ने इस परिस्थिति से मुकाबला करने का पथ सुझाया है – **ढूँढना है तो ढूँढो, देश की माटी को / इसकी परीपाटी को, माटी की सुगंध को / मानव से मानव के टूटे संबंध को / और उनसे जोड़ो संस्कृति और संस्कार / फिर अपने आप टूट जायेगा / चक्रव्यूह का सातवाँ द्वार।**

अकाल अगर अनाज का हो तो मानव मरता है, अकाल अगर संस्कृति का हो तो मानवता मरती है। कोहिनूर जैसे हमारे संस्कार एवं संस्कृति का हम स्वयं ही कांच से सौदा कर रहे हैं। हीनता एवं दीनता से ग्रस्त हमारे देश को आज स्वामी विवेकानंद की वाणी पुकार रही है – जिसमें उन्होंने आह्वान किया था – हे अमृत के अधिकारीगण ! तुम तो ईश्वर की संतान हो, अमर आनंद के भागीदार हो, पवित्र एवं पूर्ण आत्मा हो ! तुम इस मर्त्यभूमि पर देवता हो ! उठो ! आओ ! ए सिंहों ! इस मिथ्या भ्रम को झटककर दूर फेंक दो कि तुम भेड़ हो ! तुम जरा-मरण रहित नित्यानंदमय आत्मा हो।

आध्यात्म का इतना सुंदर वर्णन एवं उपयोग हमारे तन एवं मन को झंकृत कर देता है। **आवश्यकता है कि हम क्षुद्र एवं भेदभाव के भावनाओं एवं अमानवीयता से ऊपर उठकर वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से, स्वनिर्माण, राष्ट्र-निर्माण एवं विश्व-निर्माण के पुनीत कार्य में स्वयं को नियोजित करें।** अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करने का यही पथ है जो कि हमारे मनीषियों ने हमें दिखाया है। ★ ★ ★

समाचार सार

कुमारसभा पुस्तकालय में स्व. जुगलकिशोर जैथलिया के चित्र का अनावरण

गत २६ जून २०१६ को कोलकाता स्थित श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय में पुस्तकालय के मार्गदर्शक एवं पूर्व अध्यक्ष दिवंगत जुगलकिशोर जैथलिया के चित्र का अनावरण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। अनावरण किया जुगलजी के बालसखा एवं कुमारसभा के पूर्व मंत्री **श्री गोविन्द नारायण काकड़ा** ने। इस अवसर पर कुमारसभा के अध्यक्ष **डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी** ने कार्यक्रम की पीठिका प्रस्तुत करते हुए समाज एवं कुमारसभा पुस्तकालय के प्रति जुगलजी के अवदानों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि दिवंगत जैथलिया जी की सहृदयता एवं समाजनिष्ठा अनुकरणीय एवं प्रेरक है।

प्राध्यापिका **डॉ. राजश्री शुक्ला** ने कहा कि जैथलियाजी भारतीय संस्कृति को सुंदर बनाने में आजीवन सक्रिय रहे। पत्रकार **श्री गीतेश शर्मा** ने कहा कि जैथलियाजी का सबसे बड़ा गुण था उनकी संवादप्रियता। वे सभी विचारधारा के लोगों के बीच संवाद के पक्षधर थे। मिथिला विकास परिषद के अध्यक्ष युवा नेता **श्री अशोक झा** ने कहा कि दल की सीमा से परे उनका विराट व्यक्तित्व सभी को अपने में समेट लेता था।

श्रीमती स्नेहलता बैद, कवि-पत्रकार **श्री संजय सनम**, कवि **श्री रविप्रताप सिंह**, **श्रीमती सुधा जैन**, कवयित्री **डॉ. करुणा पाण्डेय**, **श्री भँवरलाल मूंधड़ा**, **डॉ. तारा दूगड़**, **श्री भागीरथ चांडक** आदि ने भी अपनी भावांजलि दी।

कवयित्री एवं गायिका **सुश्री इंदु चाण्डक** ने श्रीराम वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत किया **सर्वश्री महावीर बजाज**, **अरुण मल्लावत** एवं **योगेश राज उपाध्याय** ने। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया साहित्यमंत्री **श्रीमती दुर्गा व्यास** ने तथा धन्यवाद ज्ञापन **श्री गिरिधर राय** ने किया।

कुमारसभा पुस्तकालय में कर्मयोगी जुगलकिशोर जैथलिया के चित्र-अनावरण के अवसर पर सर्वश्री महावीर बजाज, सज्जन कुमार तुल्स्यान, जयप्रकाश सेठिया, गोविन्द नारायण काकड़ा, गीतेश शर्मा, नन्दलाल शाह एवं अरुण मल्लावत।

Land for Sale

At Sikar (Rajasthan) on NH -52, Akhaypura Near Ranoli
36 Bigha Agriculture Land for Sale,
Suitable for School, College, Institute, Residential and Commercial Complex.

For Further details,
Contact **Rajesh Agarwal** of
S. R. Realtors - 9830429604 / 9836629604

सामाजिक कुरीतियाँ एवं उनमें सुधार की जरूरत

– घनश्याम प्रसाद सोभासरिया

आज हमारे समाज में जिन कुरीतियों और बुराइयों ने पाँव पसारे हैं, उन पर चर्चा करना और उनको किस प्रकार सुधारा जा सकता है इसकी कोशिश करना एक अहम मुद्दा है, जिस पर हम सबको एकजुट होकर प्रयास करना होगा। आइए कुछ अति विशेष बुराइयों की चर्चा हम यहाँ पर करते हैं।

वर्तमान समय में टी.वी. चैनलों, फ़िल्मो तथा पत्र-पत्रिकाओं में मनोरंजन एवं मोबाइल को जिस तरह से आवश्यकता का नाम देकर समाज के ऊपर थोपा जा रहा है, वह मनोरंजन के नाम पर विनाश ही है। पत्र-पत्रिकाओं के मुख पृष्ठों तथा अंदर के पृष्ठों पर अश्लील चित्रों की भरमार रहती है, फ़िल्म जगत तथा टी.वी. चैनल तो मानो इस स्पर्धा के लिए ही आरक्षित है। हर बार नए-नए उत्तेजक दृश्यों, अपराध के विषयों, हिंसा के तरीकों का प्रदर्शन करना तो मानों इनका सिद्धांत ही बन गया है। जो हमारे समाज पर, हमारे बच्चों पर बुराई की अमिट छाप छोड़ रहे हैं, क्योंकि बुराई जल्दी ग्रहण की जाती है। जैसे कि एक टी.वी. धारावाहिक में उड़ते हुए काल्पनिक व्यक्ति को देख कर कई मासूम बच्चों का छतों व खिड़कियों से कूद कर जान से हाथ धो बैठना, क्या यह विनाश की नई परिभाषा नहीं है। गांधी जी ने बचपन में सत्यवादी हरिश्चन्द्र नाटक देखा था और उसका उनके जीवन पर इतना प्रभाव पड़ा कि आजीवन सत्य बोलने का संकल्प ले लिया।

एक चलचित्र का बालक के जीवन पर कितना गहरा प्रभाव पड़ता है यह गांधी जी के जीवन से स्पष्ट हो जाता है। अब जरा विचार कीजिए कि जो बच्चे टी.वी. के सामने बैठकर एक ही दिन में कितनी ही हिंसा बलात्कार और अश्लीलता के दृश्य देख रहे हैं, वे आगे चल कर क्या बनेंगे? सड़क चलते हमारी बहन-बेटियों को छेड़ने वाले कहाँ से पैदा हो रहे हैं? उनमें बुराई कहाँ से पैदा होती है? कौन लोग हैं जो पाँच और दस साल की छोटी बच्चियों को भी अपनी हवस का शिकार बना लेते हैं? उनको यह सब कौन सिखाता है? क्या यह किसी स्कूल से प्रशिक्षण लेते हैं? किसी भी स्कूल में ऐसा पाप करने का प्रशिक्षण नहीं मिल सकता। कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को ऐसा करने की शिक्षा नहीं देते। वर्तमान समय का मनोरंजन नहीं, अपितु घर-घर में सुलगती ऐसी आग है जो बिना दिखे सब कुछ जला रही है, समाज की धरोहर को खोखला करती जा रही है।

आज का युग मोबाइल का युग है, आधुनिकता का युग है। मोबाइल से एक व्यक्ति पूरी दुनिया से जुड़ा रह सकता है, चाहे कहीं भी हो। इस मोबाइल के सदुपयोग भी हैं और दुरुपयोग भी, आज की परिस्थितियों को देखते हुए, युवा वर्ग में इसका उपयोग कम, दुरुपयोग अत्याधिक हो रहा है।

यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे किसी गली का माफ़िया ना बनें, डॉन ना बनें, बलात्कार जैसी घटना ना हो, आपके-हमारे बच्चे संयमी, चरित्रवान तथा महान बनें तो आज से इन केबल कनेक्शनों, सिनेमाघर तथा अश्लीलता का प्रचार करने वाले माध्यमों का बहिष्कार करें। हमें नैतिक तथा मानसिक रूप से उन्नत करने वाली फ़िल्मों की आवश्यकता है। हमें ऐसे प्रसारण चाहिए जिनसे स्नेह, सदाचार, सहनशीलता, करुणा भाव, आत्मीयता तथा माता-पिता, गुरुजनों एवं अपनी संस्कृति के प्रति आदर का भाव प्रकट हो जिससे हमारा समाज दिव्य गुणसंपन्न हो सके, इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा, नहीं तो आने वाला समय हम सबको माफ़ नहीं करेगा।

हमारे समाज में वृद्धाश्रम की आवश्यकता नहीं है, आवश्यकता है, संयुक्त परिवार की। ग़म खाकर एवं त्याग करके ही संयुक्त परिवार चलाए जा सकते हैं। आज प्रत्येक माँ-बाप बेटियों को तो स्वतंत्र बनाना चाहते हैं लेकिन बहू, शादी के तुरंत बाद से ही उनकी आज्ञा का पालन करे। अरे! यह कैसे संभव होगा? किसी की बेटी ही तो किसी की बहू बनेगी। हम अपने बच्चों को जुड़ कर रहने की बातें अपने धार्मिक ग्रंथों से सिखाएँ, उन बातों को जीवन में उतारने की शिक्षा दें। जैसे रामायण में भरत-चरित्र से भाई के प्रेम की, भगवान राम से माता-पिता की आज्ञा-पालन की और इस तरह के अनेकों ऐसे प्रसंग भरे पड़े हैं जिनको जीवन में उतारें तो हमारे बच्चों का और हमारे समाज का कल्याण हो जाए।

हमारे पूर्वज किसी भी उत्सव एवं पावन कार्यों में कुछ दान-धर्म करना अपना कर्त्तव्य समझते थे जैसे गौशाला में, अनाथालय में, स्कूल में, औषधालय इत्यादि में। लेकिन यह प्रथा आज हमारे समाज से लुप्त सी हो गई है। अरे! हमारे यहाँ विवाह और विभिन्न उत्सवों में अत्याधिक फ़िज़ूलख़र्ची होती है परंतु दान-धर्म के नाम पर हम पीछे हट जाते हैं। हमें इस प्रथा को पुनः सजीव करना होगा।

धन की गति दान से ही है, नहीं तो धन की दुर्गति ही होती है

पहले मारवाड़ी समाज के लोग अपव्यय बिल्कुल नहीं करते थे। विवाह आदि शुभ कार्य में ग़रीब-अमीर का भेद-भाव नहीं था। सब प्रेमपूर्वक सम्मिलित होते थे, यथाशक्ति अपना योगदान करते थे। दीपावली, होली, गणगौर, रक्षाबंधन आदि सभी त्यौहार प्रसन्नतापूर्वक मिल-जुल कर संपन्न करते थे। त्यौहारों के बाद अपने से बड़ो को प्रणाम करने हेतु रिश्तेदारों के घरों में अवश्य जाते थे, तथा उनका आशीर्वाद ग्रहण करते थे। अपने पूज्यजनों के आगे नतमस्तक होकर बातचीत करते थे, सिर उठाकर बात करने का साहस नहीं था। सब आज्ञाकारी होते थे।

शिक्षा के कारण बच्चों को सोच में परिवर्तन हो गया हैं बच्चे निपुण हुए हैं, किंतु निपुणता के साथ इनमें उश्रृंखलता, उदण्डता भी आ गई है। फलस्वरूप अपनो से बड़ों का सम्मान करने के संस्कार क्षीण हो गए हैं। बोली में माधुर्य के स्थान पर कड़वाहट आ गई है। शर्म लिहाज़ का पतन हो गया है। अंततः दिनों-दिन तलाक़ बढ़ते जा रहे हैं। विवाह जैसा पवित्र बंधन, ऐसा बंधन जो जीवन-पर्यंत साथ निभाता था, आज कच्चे धागे की तरह कमज़ोर हो गया, सारी पवित्रता लुप्त हो गई है।

इससे मारवाड़ी समाज भी अछूता नहीं रहा। समाज में संपन्नता आई तो कुरीतियाँ भी साथ में आ गईं। दिखावा, आडंबर को ही शान समझने लगे हैं। अपव्यय को अपव्यय नहीं मानते। तरह-तरह के तर्क देकर इसे जायज़ ठहराने का कुप्रयास करते हैं। जिसके पास जितना अधिक पैसा, वह उतना ही बड़ा आदमी। यही सोच समाज में विकार पैदा करने का मुख्य कारण है। कुरीतियों की जड़ यही सोच है। बड़े लोग दिखावा-आडंबर में दिल खोलकर पैसों का दुरुपयोग करते हैं, देखा-देखी मध्यम वर्ग के लोगों को भी इसी राह पर चलना पड़ता है चाहे उसकी औक़ात हो या न हो। कर्ज़ लेकर दिखावा करना पड़ता है। विवाह-शादियाँ औपचारिकता मात्र रह गई हैं। प्रेमबेल सूख गई है, लोग मुँह दिखाकर चले जाते हैं।

समय रहते नहीं चेते तो बहुत पछताना पड़ेगा। फिर "जब चिड़ियाँ चुग गई खेत" वाली कहावत चरितार्थ होगी। समाज के प्रबुद्ध, ज़िम्मेवार तथाकथित बड़े लोगों का यह परम कर्तव्य है कि वह इसी पल से समाज में व्याप्त हो रही कुरीतियों पर लगाम लगाने का प्रयत्न करें। ★★★

नारी जागरण के लिए समर्पित

जानकी देवी बजाज

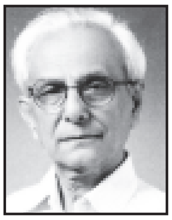

– राजेन्द्र केडिया

लक्ष्मणगढ़ के मूल निवासी गिरधारीलाल जाजोदिया इन्दौर के निकट जावरा कस्बे में अफीम का व्यवसाय किया करते थे। वे कट्टर बैष्णव थे। इन्हीं के यहाँ ७ जनवरी, १८९३ को जावरा (म. प्र.) में जानकी देवी का जन्म हुआ। मई १९०२ में तेरह वर्षीय जमनालाल बजाज की शादी नौ वर्ष की जानकी देवी के साथ हुई थी।

शादी के बाद ढाई माह तक अपने ससुराल (वर्धा) में रहना पड़ा। इसके बाद वह जावरा लौटी लेकिन कुछ ही दिन में फिर ससुराल का बुलावा आ गया। उन दिनों वर्धा में प्लेग का प्रकोप था। जानकी देवी की सास प्लेग की चपेट में आकर चल बसी। सास के मरने के बाद का एक दशक जानकी देवी के जीवन को बहुत कुछ सीख दे गया। छोटी उम्र में मिली जिम्मेदारियों ने उनके व्यक्तित्व को निखारा। घर की रुढ़िवादी महिलाओं के तानों ने उनको सहनशील और कई बुजुर्ग परिजनों की इहलोक से विदाई ने उनको गंभीर बनाया।

जमनालालजी ने अपनी पत्नी को शिक्षित करने के लिए एक पारसी महिला को जिम्मेदारी सौंपी। कुछ तो शिक्षा का प्रभाव पड़ा और कुछ परिस्थितियों से आई समझ का, धीरे-धीरे रुढ़िवादी मान्यताओं का घेरा रेत की दीवार के समान ढहने लगा।

महात्मा गांधी जब दक्षिणी अफ्रीका प्रवास से लौटे तब जमनालालजी उनके सम्पर्क में आए, कुछ ही समय में वे गांधीजी के पाँचवे पुत्र के रूप में उनके बिल्कुल निकट हो गए और स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। उनकी निजी व्यस्तता काफी बढ़ गई। ऐसे में जानकी देवी ने अपने पति को निजी सहायक के रूप में सहयोग दिया। इस तरह वह भी महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता-आंदोलन से जुड़ गई।

समय बीतता गया। धीरे-धीरे जानकी देवी ने जड़ परंपराओं के विरुद्ध बिगुल बजाना शुरू कर दिया। सबसे पहले उन्होंने घूँघट और गहनों का त्याग किया। मारवाड़ी समाज के बुजुर्ग पुरुष और महिलाओं ने बहुत बातें बनाई, जानकी देवी को समझाया पर उन्होंने आगे बढ़ा हुआ कदम वापस नहीं लिया। वे सम्पूर्ण महिला समाज को कुरीतियों से आजाद कराना चाहती थीं।

जानकी देवी के इस प्रचण्ड वैचारिक वेग को देखकर उस समय के मारवाड़ी समाज की औरतें कहा करती थीं – 'भाई वाह! परदो कर्‌यो तो असो कर्‌यो के कोई नख बी क्यूं देख लेवे अर छोड्‌यो तो असी छोड्‌यो कै मोट्यांरां की सभा में व्याख्यान छांटै लागी।'

जानकी देवी अपनी आत्मकथा में लिखती हैं कि यह वह समय था जब पहाड़ की चोटी पर चढ़ना आसान होता था, समुद्र को लांघना सरल होता था पर घर में किसी बुजुर्ग के सामने बिना घूँघट के जाना बड़ा मुश्किल होता था। वर्धा में अग्रवाल महासभा का अधिवेशन होने वाला था। जमनालाल बजाज इसमें पर्दा प्रथा के खिलाफ बोले। कृष्णदास जाजू, जिनको जमनालाल अपना बड़ा भाई मानते थे, वे भी इस अधिवेशन में उपस्थित थे। उन्होंने जमनालाल जी से कहा कि पर्दा हटाने की शुरुआत उन्हें अपने घर से करनी चाहिए। जमनालाल जी ने ऐसा ही किया। उन्होंने पत्नी और छोटे भाई की बहू से इसकी शुरुआत कराई। साबरमती आश्रम में जाने के बाद जानकी देवी पूरी तरह घूँघट से आजाद हो पाईं। वहाँ जाकर तो चूड़ियाँ और बिंदिया तक का त्याग कर दिया। नमक सत्याग्रह के दौरान जानकी देवी पहली बार गिरफ्तार हुईं। वे लिखती है, 'मुझे जेल जाने जाने और बहनों को जेल के लिए तैयार करने की ऐसी धुन लगी जैसे मायके जाने का उत्साह हो। मैं अधिक उत्साह से यह काम करने लगी तो अंग्रेज अफसरों ने मुझे खतरनाक जानकर गिरफ्तार कर लिया। मुझे छह माह की सजा दी गई।' वे आगे लिखती हैं, 'मैं नागपुर जेल में थी। वहाँ के अधीक्षक बड़े कठोर थे। कैदी उन्हें जल्लाद कहा करते थे। बैंगन की उबली सब्जी और रूखी रोटी मिलती थी। मैं बीमार हो गई। सात दिन में मेरा तेईस पौंड वजन कम हो गया।'

जेल से बाहर आकर जानकी देवी फिर महिला जागरण के काम में लग गई। राजस्थान के शेखावाटी और बीकानेर क्षेत्र में तथा कलकत्ता, पटना और अन्य दूरस्थ स्थानों पर उन्होंने महिलाओं की बैठकें आयोजित कर उन्हें कुरीतियों के खिलाफ संगठित किया। वर्ष १९३३ में कलकत्ता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की उन्होंने अध्यक्षता की। उस समय वर्धा से महात्मा गांधी ने जानकी देवी की संदेश भेजा -

वर्धा, २५-१०-३३

प्रिय भगिनी,

आप बहनों से परदा झुड़वाने कलकत्ता आई हैं, धन्यवाद। परदा वहम नहीं है उसमें मुझे पाप की बू आती है। परदा किससे रखें? क्या पुरुष मात्र विषयासक रहते हैं? क्या स्त्री अपनी पवित्रता बगैर परदे के नहीं रख सकती? पवित्रता एक मानसिक बात है, यदि इस बुद्धि-प्रधान युग में स्त्री अपने धर्म की रक्षा चाहती है तो उसे शिक्षण, प्रशिक्षण लेकर दरिद्र नारायण की सेवा करनी होगी, अस्पृश्यता व दूसरी बुराइयों के कलंक को धोना होगा। ये कार्य परदे में रहकर नहीं किए जा सकते और यदि इन कार्यो से नारी वंचित रह जाती है तो पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इतिहास निर्माण भी श्रृंखला ही टूट जाएगी।

क्या सीता परदा रखकर रामजी के साथ जंगलों में भटकी थी? सीता से बड़ी पवित्र स्त्री इस जगत में नहीं हुई। बहनों से कहो परदा तोड़ो, धर्म रखो और आगे आओ।

आपका, मोहनदास गांधी

जानकी देवी ने स्वदेशी आन्दोलन में काम किया। सात रुपये में चरखा खरीदा और सूत कातने लगी। जगह-जगह विदेशी कपड़ों और सामान की होली जलाई। ११ फरवरी, १९४२ को जब जमनालाल बजाज का देहावसान हुआ तो जानकी देवी को बहुत आघात लगा। महात्मा गांधी की सान्त्वना से उन्हें संबल मिला। जमनालालजी के निधन के बाद महात्मा गांधी ने जानकी देवी पर गौ संघ की जिम्मेदारी डाली। वह उसकी अध्यक्षा बनाई गईं। आचार्य विनोबा भावे और घनश्याम दास बिड़ला उपाध्यक्ष बने।

१९४८ में महात्मा गांधी की हत्या के बाद जानकी देवी को एक और झटका लगा। वह पूरी तरह विनोबा भावे के सान्निध्य में गौ सेवा और सूत कताई के कामों में व्यस्त हो गईं। देश आजाद हो गया था और आजादी के बाद विनोबा भावे का भू-दान यज्ञ प्रारम्भ हुआ जिसमें १०८ कुओं के निर्माण की एक योजना भी बनाई गई। इस योजना की जिम्मेदारी जानकी देवी की सौंपी गई जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। उन्होंने जगह-जगह का दौरा और व्यापक जनसम्पर्क किया। भू-दान और कूप दान कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण भारत सरकार ने १९५६ में जानकी देवी बजाज को 'पद्म विभूषण' से अलंकृत किया।

नारी जागरण, खादी पहनना, प्राकृतिक चिकित्सा, गौ सेवा, कुओं का निर्माण इत्यादि उनके जीवन से गहरे जुड गए। २१ मई, १९७९ को वर्धा में जानकी देवी बजाज का देहावसान हुआ। ★ ★ ★

मायड़भाषा ने भूल गया

भाईचारो मरतो दीखे,
पईसां लारे गेला होग्या।
घर सुं भाग गुरुजी बणग्या,
चोर उचक्का चेला होग्या,
चंदो खार कार में घुमे,
भगत मोकळा भेळा होग्या।
कम्प्यूटर को आयो जमनो,
पढ़ लिख ढोलीघोड़ा होग्या,
पढ़ी-लिखी लुगायां ल्याया
काम करण रा फोडा होग्या,
जेब-जेब मोबाईल होग्या।
छोरयां तो हूंती आई पण
आज पराया छोरा होग्या,
राल्यां तो उघड़बा लागी,
न्यारा-न्यारा डोरा होग्या।
इतिहासां में गयो घूंघटो,
पाऊडर पुतिया मूंडा होग्या,
झरोखां री जाल्यां टूटी,
म्हेल पुराणां टूंढ़ा होग्या।
भारी-भारी बस्ता होग्या,
टाबर टींगर हळका होग्या,
मोठ बाजरी ने कुण पूछे,
पतळा-पतळा फलका होग्या।
रूंख भाडकर ढूंढ लेयग्या
जंगळ सब मैदान होयन्या,
नाडी नदियां री छाती पर
बंगला आलीशान होयग्या।
मायड़भाषा ने भूल गया,
अंगरेजी का दास होयग्या,
टांग कका की आवे कोनी
एमे बी.ए. पास होयग्या।
तीजे दिन तलाक होयग्यों,
लाडो लाडी न्यारा होग्या,
कांकण डोरां खुलियां पेली
परण्या बींद कंवारा होग्या।
बिना रूत रा बेंगण होग्या,
सियाळा में आम्बा होग्या,
इंजेक्शन सूं गोळ तरबूज
फूल-फूल कर लम्बा हो गया
दिवलो करे उजास जगत में
खुद रे तळे अंधेरा होग्या।
मन मरजी रा भाव होयग्या,
पंसेरी रा पाव होयग्या।

— **समीर "देसप्रेमी"**

कहानी तीन बेस्ट दोस्तों की

ज्ञान, धन और विश्वास
तीनों बहुत अच्छे दोस्त भी थे
तीनों में बहुत प्यार भी था
एक वक्त आया जब
तीनों को जुदा होना पड़ा
तीनों ने एक दुसरे से सवाल किया
कि हम कहाँ मिलेंगे
ज्ञान ने कहा
मैं मंदिर, विद्यालय में मिलूँगा
धन ने कहा
मैं अमीरों के पास मिलूँगा
विश्वास चुप था
दोनों ने चुप होने की
वजह पुछी तो विश्वास ने
रोते हुवे कहा
मैं एक बार चला गया
तो फिर कभी नही मिलूँगा!

मारवाड़ी सीख

- चौखी संगत में उठणो बैठणो।
- काम स काम राखणो।
- ऊड़तो तीर नही पकड़नो।
- घणो लालच नही करणो।
- सोच समझ कर पग राखणो।
- रास्ते आणो, रास्ते जाणो।
- जितो हो सके उतो कम बोलणो।
- छोटा मोटा को कायदों राखणो।
- जितो पचे उतो ई खावो। (पेट खुदको होवे)
- बीना पूच्छया सलाह नहीं दैणी।
- पराई पंचायती नही करणी।
- आटे मे लूण समावे, लूण मे आटो नही।
- पगा बलती देखणी डुंगर बलती नही।
- बीच में ही लाडे की भुवा नही बणनी।
- सुणनी सबकी करणी मन की।

क्षणिकाएँ

आजादी
अभिव्यक्ति री
मिली है आजादी
ओछा बोल सूं
ना ल्यावो बरबादी।।

भोलो
घणो मासूम
हो भोळो
कदैई कर्यो कोनी
हकां खातिर रोळो।।

मन री बात
जकां करै
मन री बात
बै खावै कोनी
दूजां सूं मात।।

बाजी
बै ही जीतै
हमेश बाजी
जिण सूं हुवै
राज राजी।।

हेराफैरी
जका करै
हेरा फैरी
बे ई खावै
हरी-लाल चैरी।।

– **रामजीलाल घोड़ेला 'भारती'**
लूनकरनसर
बीकानेर, राजस्थान

देने वाला कौन??

एक लकड़हारा रात-दिन लकड़ियाँ काटना, मगर कठोर परिश्रम के बावजूद उसे आधा पेट भोजन ही मिल पाता था। एक दिन उसकी मुलाकात एक साधु से हुई। लकड़हारे ने साधु से कहा कि जब भी आपकी प्रभु से मुलाकात हो जाए, मेरी एक फरियाद उनके सामने रखना और मेरे कष्ट का कारण पूछना। कुछ दिनों बाद उसे वह साधु फिर मिला। लकड़हारे ने उसे अपनी फरियाद की याद दिलाई तो साधु ने कहा कि — प्रभु ने बताया है कि लकड़हारे की आयु ६० वर्ष है और उसके भाग्य में पूरे जीवन के लिए सिर्फ पाँच बोरी अनाज है, इसलिए प्रभु उसे थोड़ा अनाज ही देते हैं ताकि वह ६० वर्ष तक जीवित रह सके। समय बीता। साधु उस लकड़हारे को फिर मिला तो लकड़हारे ने कहा— ऋषिवर...।। अब जब भी आपकी प्रभु से बात हो तो मेरी यह फरियाद उन तक पहुँचा देना कि वह मेरे जीवन का सारा अनाज एक साथ दे दें, ताकि कम से कम एक दिन तो मैं भरपेट भोजन कर सकूँ। अगले दिन साधु ने कुछ ऐसा किया कि लकड़हारे के घर ढेर सारा अनाज पहुँच गया। लकड़हारे ने समझा कि प्रभु ने उसकी फरियाद कबूल कर उसे उसका सारा हिस्सा भेज दिया हैं। उसने बिना कल की चिंता किए, उसने सारे अनाज का भोजन बनाकर फकीरों और भूखों को खिला दिया और खुद भी भरपेट खाया। लेकिन अगली सुबह उठने पर उसने देखा कि उतना ही अनाज उसके घर फिर पहुँच गया है। उसने फिर गरीबों को खिला दिया। फिर उसका भंडार भर गया। यह सिलसिला रोज-रोज चल पड़ा और लकड़हारा लकड़ियाँ काटने की जगह गरीबों को खाना खिलाने में व्यस्त रहने लगा।

कुछ दिन बाद वह साधु फिर लकड़हारे को मिला तो लकड़हारे ने कहा – ऋषिवर! आप तो कहते थे कि मेरे जीवन में सिर्फ पाँच बोरी अनाज है, लेकिन अब तो हर दिन मेरे घर पाँच बोरी अनाज आ जाता है। साधु ने समझाया, तुमने अपने जीवन की परवाह ना करते हुए अपने हिस्से का अनाज गरीब व भूखों को खिला दिया, इसीलिए प्रभु अब उन गरीबों के हिस्से का अनाज तुम्हें दे रहे हैं।

सारः किसी को भी कुछ भी देने की शक्ति हम में है ही नहीं, हम देते वक्त ये सोचते हैं कि जिसको कुछ दिया तो ये मैंने दिया! दान, वस्तु, ज्ञान, यहाँ तक की अपने बच्चों को भी कुछ देते दिलाते हैं तो कहते हैं मैंने दिलाया। वास्तविकता ये है कि वो उनका अपना है आप को सिर्फ परमात्मा ने निमित्त मात्र बनाया हैं उन तक उनकी जरूरतों को पहुँचाने के लिये, तो निहित होने का घमंड कैसा?? ★★★

SREI Foundation
IISD
A Gateway to Careers
"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda
Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%
Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility
3 Yrs. # BBA ₹ 75,000
2 Yrs. MBA + PGPM ₹ 85,000
3 Yrs. # BCA ₹ 75,000
2 Yrs. MBA (Hospital Mgmnt.) ₹ 95,000
2 Yrs. PGDM ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
2 Yrs. # MBA + PGDM ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
Complimentary Courses
Spoken English
Foreign Languages
Bengali & Sanskrit
ERP Training (Microsoft Certified)
Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
Entrepreneurship Development
Theology
Other Courses :
Company Secretaryship
Advocateship
E-Tuition
Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
Retail Management
Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
Certificate Course on Computer Applications
Advanced Diploma in Financial Management
Vocational & Technical Training
Entrepreneurship Development
Diploma in Banking and Finance
Certificate course on theology
DUAL SPECIALISATION AVAILABLE
ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM
BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
GROUP DISCUSSION
PERSONAL INTERVIEW
APTITUDE TEST
APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED
Assistance for placement
Eminent Faculty
Online Application Facility
Regular / Weekend Classes
Hostel
AC Classrooms
P G Accommodation
Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC
INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT
IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in
9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 22nd August 2016
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com